घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 124- शनिवार 07- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी सिविल सर्विस 2025 फाइनल रिजल्ट जारी...

राजस्थान के डॉ.अनुज अग्निहोत्री बने टॉपर

नई दिल्ली,06 मार्च 2026। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा के डॉ. अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप किया है। डॉ. अनुज पहले भी यूपीएससी एग्जाम क्लियर कर चुके हैं। अनुज को 2023 में पहले प्रयास में एसडीएम दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश सेवा आवंटित हुई थी। उन्हें दिल्ली में SDM के पद पर नियुक्ति मिली थी। उन्होंने दिसंबर 2024 में जॉइन किया था। यह उनका तीसरा अटेम्प्ट है। दूसरे प्रयास में यूपीएससी मेंस परीक्षा पास की, लेकिन इंटरव्यू में चयन नहीं हुआ। 958 कैंडिडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए चयनित हुए हैं। जारी रिजल्ट में कुल 180 कैंडिडेट्स आईएएस के लिए चयनित हुए हैं। आईएफएस के लिए 55 कैंडिडेट्स का चयन हुआ है। वहीं, 150 आईपीएस चुने गए हैं। डॉ. अनुज ने कहा- मुझे अगर अभी सफलता नहीं मिलती तो मैं अगले प्रयास की तैयारी कर रहा होता। ये एक प्रोसेस है और उसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। आज मैं सफल हो गया तो बहुत आसान लग रहा है। मैं लोगों से बात कर सीखने की कोशिश करता था।

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारत..ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी

नई दिल्ली,06 मार्च 2026। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा...हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी।

रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की छूट वाले बयान की कांग्रेस ने की निंदा

नई दिल्ली,06 मार्च 2026। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने संबंधी बयान की कांग्रेस ने निंदा की है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका-इजरायल के दबाव में काम कर रहे हैं और सरकार की विदेश नीति स्वतंत्र नहीं रही। भारत को अमेरिका से अनुमति मिल गई है कि वह 30 दिनों तक रूस से तेल खरीद सके। खेड़ा ने कहा कि जब रूस भारत को तेल देने के लिए तैयार था, तब मोदी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया लेकिन अमेरिका की अनुमति मिलने के बाद ही सरकार सक्रिय हुई। अमेरिका ने भारत को छूट दी है, जबकि छूट वहीं दी जाती है जहां प्रतिबंध लागू होते हैं। अभी ट्रेड डील पर हस्ताक्षर भी नहीं हुए हैं लेकिन सरकार पहले ही अमेरिकी शर्तों के आगे झुक चुकी है।

केमिकल-फ्री और नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देकर कृषि निर्यात बढ़ाने पर जोर : पीएम मोदी

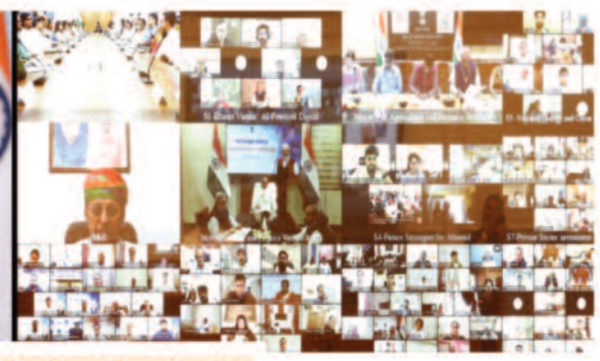

नई दिल्ली,06 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण ऑर्गेनिक और केमिकल-फ्री खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों को निर्यात उन्मुख बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने 'कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर ऑर्गेनिक डाइट,ऑर्गेनिक फूड और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में भारत के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और केमिकल-फ्री उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंचने का एक'हाईवे' बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए प्रमाणन,प्रयोगशालाओं और आवश्यक ढांचे के विकास पर विचार कर रही है, लेकिन इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल एक फसल पर निर्भर रहने से किसानों के लिए जोखिम बढ़ जाता है और आय के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसी कारण सरकार फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दे रही है। खाने के तेल और दालों के लिए राष्ट्रीय मिशन तथा प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन जैसे प्रयास कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के राज्यों, विशेषकर केरल और तमिलनाडु में बड़ी मात्रा में नारियल का उत्पादन होता है,लेकिन कई स्थानों पर पेड़ पुराने हो चुके हैं और उनकी उत्पादकता कम हो गई है। इसलिए बजट में नारियल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हिमालयी राज्यों में टेम्पर्ड नट फसलों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया गया है। जैसे-जैसे निर्यात उन्मुख उत्पादन बढ़ेगा, वैसे-वैसे प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी

पीएम मोदी ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के कारण किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। इन पहलों के कारण किसानों का जोखिम कम हुआ है और कृषि क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा है।

कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ

पीएम मोदी ने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है, जिससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है।

भारत में रसोई गैस इमरजेंसी लागू

सरकार ने सभी तेल कंपनियों को प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया

नई दिल्ली,06 मार्च 2026। ईरान-इजराइल जंग अगर बढ़ी तो भारत में रसोई गैस की किल्लत भी बढ़ेगी। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी पावर का यूज करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन में रुकावट की वजह से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने गुरुवार देर रात आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया है कि अब रिफाइनरी कंपनियां अपने पास मौजूद प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। यानी इन गैसों का उपयोग किसी और काम में नहीं किया जाएगा।

सरकारी कंपनियों को मिलेगी प्राथमिकता

आदेश के मुताबिक,सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों-इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को करनी होगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के लगभग 33.2 करोड़ एक्टिव एलपीजी कंज्यूमर्स यानी उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के गैस सिलेंडर मिलते रहें।

मतदाता सूची विवाद पर धरने पर बैठीं ममता

चुनाव आयोग और भाजपा पर तीखा हमला

कोलकाता,06 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता के धर्मतला स्थित मेट्रो चैनल पर एक बार फिर चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठ गई हैं। उन्होंने धरना देते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में जीवित लोगों को मृत घोषित किया गया है। धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन 22 लोगों को मतदाता सूची में मृत बताया गया है, उन्हें मंच पर बुलाया जाएगा ताकि यह साबित हो सके कि वे जीवित हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को मृत बताया गया है, वे स्वयं यहां बैठकर यह प्रमाण दे रहे हैं कि वे पूरी तरह जीवित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति शर्मनाक है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के प्रभाव में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बड़ी संख्या में लोगों के नामों को लेकर गंभीर गड़बड़ी सामने आई है और यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के कारण कुछ परिवारों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा है। उनके अनुसार इस प्रक्रिया से प्रभावित कुछ परिवार भी धरना स्थल पर मौजूद हैं। धरना स्थल पर विभिन्न जिलों से आए तृणमूल कांग्रेस के नेता,कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कई ऐसे मतदाता भी मंच पर पहुंचे जिनका आरोप है कि उन्हें सूची में मृत या अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किया ऐलान...कर्नाटक में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगेगा प्रतिबंध

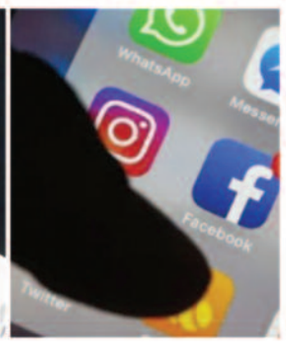

बेंगलुरु,06 मार्च 2026। कर्नाटक सरकार ने बच्चों के मानसिक और शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वर्ष 2026-27 के बजट भाषण के दौरान घोषणा की कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार आवश्यक नीतियां लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और व्यवहार पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को डिजिटल लत से बचाने और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही ऐसी नीतियां तैयार करेगी,जिनके माध्यम से 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग को नियंत्रित या सीमित किया जा सकेगा। इससे बच्चों को तकनीक के दुष्प्रभावों से बचाने और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों में नशीले पदार्थों के बढ़ते उपयोग पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर छात्रों के भविष्य और व्यक्तित्व निर्माण के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए वहां नशे के इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठाएगी। राज्य सरकार के अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों में नशे के खिलाफ विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही कड़े नियम लागू किए जाएंगे और सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि छात्रों को नशीले पदार्थों से दूर रखा जा सके और जरूरत पड़ने पर उन्हें समय पर परामर्श और सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी उपायों का मुख्य उद्देश्य छात्रों के लिए सुरक्षित,स्वस्थ और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है, ताकि वे अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकें।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ...

समुद्र बन रहे वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र

कोलकाता,06 मार्च 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बदलती वैश्विक राजनीति में समुद्र एक बार फिर दुनिया की शक्ति संतुलन का केंद्र में आ गए हैं। अब यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास और पूरी क्षमता के साथ समुद्री क्षेत्र में नेतृत्व करे। राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया के ताजा घटनाक्रम को असामान्य बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस इलाके के हालात पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, वह सामान्य नहीं है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि वहां के हालात आगे किस दिशा में जाएंगे।

पश्चिम में तनाव चरम पर : हालांकि, रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के पास अमेरिकी हमले में ईरानी युद्धपोत के डूबने का सीधा जिक्र नहीं किया। बता दें कि ईरानी युद्धपोत 'आईआरआईएस डेना' भारत की मेजबानी वाले मिलान नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था, तभी उसे निशाना बनाया गया। इस हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर बड़े सैन्य हमले किए थे, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की जान चली गई। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और कई खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इनमें यूएई, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और सऊदी अरब जैसे देश शामिल हैं। पिछले तीन दिनों से दोनों तरफ से भीषण हमले जारी हैं।

वैश्विक व्यापार को हो रहा नुकसान...

रक्षा मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि यह इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जब भी इस क्षेत्र में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि आज सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूसरे सामानों की सप्लाई चेन में भी रुकावटें आ रही हैं। इन अनिश्चितताओं की वजह से वैश्विक व्यापार को नुकसान हो रहा है।

भारतीय वायुसेना का विमान सुखोई-30 रडार से गायब होकर हुआ क्रैश दोनो पायलट की मौत

नई दिल्ली,06 मार्च 2026। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान गुरुवार रात असम के कार्बी आंगलोंग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुखद हादसे में वायुसेना के दो जांबाज अधिकारियों, स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर का निधन हो गया है। वायुसेना ने आधिकारिक तौर पर इस क्षति की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जब यह हादसा हुआ। इससे पहले विमान रडार से गायब हो गया था। घटनाक्रम के अनुसार, इस दो सीटों वाले लड़ाकू विमान ने असम के जोरहाट से अपनी उड़ान भरी थी। गुरुवार, 5 मार्च की शाम करीब 7 बजकर 42 मिनट पर विमान का रडार और नियंत्रण कक्ष से अंतिम बार संपर्क हुआ था।

अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों पर तड़के ईडी की बड़ी कार्रवाई,मुंबई में कई ठिकानों पर छापे

मुंबई,06 मार्च 2026। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार तड़के उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े कारोबारियों और सहयोगियों के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के तहत की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने मुंबई में अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि शहर में लगभग 10 से 12 ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। इनमें रिलायंस पावर से जुड़े कुछ व्यवसायियों के पंजीकृत कार्यालय, कॉरपोरेट दफ्तर और आवासीय परिसरों को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी रिलायंस पावर से जुड़े संदिग्ध फंड ट्रांसफर, वित्तीय लेनदेन और निवेश से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। ईडी को शक है कि कंपनी से जुड़े कुछ लेनदेन में नियमों का उल्लंघन किया गया है और धन को अलग-अलग माध्यमों से ट्रांसफर किया गया। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज,डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े सबूतों की जांच की जा रही है। अधिकारियों की टीमें कंप्यूटर,सर्वर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी पड़ताल कर रही हैं।

हम बंटे हुए हैं,इसलिए आक्रमण हो रहे हैं

भेद और स्वार्थ को तिलांजली दें : भागवत

जैसलमेर,06 मार्च 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा...आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं क्योंकि हम सोए और बंटे हुए हैं। हम वास्तव में एक ही हैं, पंथ-संप्रदाय से अलग हैं। संस्कृति, देश,समाज के नाते हम एक हैं। ज्ञान नहीं है तो वह भेद मानता है। आज से सद्भावना की शुरुआत कर देनी चाहिए। मेरा एक-एक मित्र कुटुम्ब होगा,उनका मेरा यहां आना-जाना, सुख-दुख,खाना-पीना सभी रहेगा। क्योंकि समय बड़ा कठिन है। मोहन भागवत ने यह बात शुक्रवार को जैसलमेर में जैन समाज के चादर महोत्सव कार्यक्रम में कही। इससे पहले भागवत ई-रिक्शा में बैठकर सोनार दुर्ग गए। जहां पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिनभद्र सूरी ज्ञान भंडार और दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन किए। इसके बाद वे देदांसर मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय चादर महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने सभा को संबोधित किया। भागवत ने कहा- हम सभी भेद और स्वार्थ को तिलांजली दें और देश के लिए जीने-मरने को उतारूं हो जाएं तो हमारा समाज अच्छा बनेगा। कलह और भेद खत्म हो जाएंगे तो भारत विश्वगुरु बनकर एक सुखी-सुंदर दुनिया को जन्म देगा। जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी महाराज ने सभा में कहा- जैनों को हिंदुओं से अलग समझने का प्रयास कभी मत करना।

31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा : शाह

भुवनेश्वर,06 मार्च 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों और केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प के कारण देश अब इस समस्या से मुक्ति के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। कटक के मुंडुली में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि 31 मार्च तक भारत नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।' शाह ने कहा कि सुरक्षा बलों के समन्वित और लगातार अभियानों के कारण देश अब दशकों पुरानी इस समस्या से छुटकारा पाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार तय समयसीमा के भीतर नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सीआईएसएफ की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

शाह ने कहा, 'चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना , नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में सीआईएसएफ ने महत्वपूर्ण योग दान दिया है।'उन्होंने तथाकथित 'रेड कॉरिडोर' की अवधारणा पर भी प्रहार करते हुए कहा कि सुरक्षा बल उन लोगों को पूरी तरह परास्त कर देंगे जो तिरुपति से पशुपति तक रेड कॉरिडोर बनाने का सपना देखते हैं। उन्होंने कहा,'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे सुरक्षा बल इस चुनौती को पूरी तरह समाप्त कर देंगे, जो एक बड़ी उपलब्धि होगी। 'इससे पहले, अमित शाह भुवनेश्वर पहुंचे,जहां उनका स्वागत ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी,उप मुख्यमंत्री प्रभाती परिडा और राज्य भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल समेत अन्य नेताओं ने किया।

संपादकीय

भारतीय शिक्षा का वैश्वीकरण आवश्यक

शिक्षा केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि एक विमर्श भी है। इस अर्थ में भारतीय ज्ञान के वैश्वीकरण से भारतीय विमर्श का भी वैश्वीकरण सुनिश्चित हो पाएगा...

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हाल में कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण देश की प्रगति और सर्वांगीण विकास के लिए एक आवश्यक तत्व है। उनके अनुसार दुनिया भर में भारतीय शिक्षा और शोध की समृद्ध नवोन्मेषी परंपरा तथा इसके गतिशील वर्तमान का अकादमिक वृत्तांत प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। यह लक्ष्य तभी संभव होगा, जब शिक्षा और शोध के क्षेत्र में हमारी वैश्विक आवाजाही तथा ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ेगा।

वे निरंतर इस पर भी बल देते रहे हैं कि उच्च शिक्षा के इस वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विज्ञान और समाज विज्ञान को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करना होगा। जब तक विज्ञान और समाज विज्ञान परस्पर समन्वय के साथ कार्य नहीं करेंगे,तब तक भारतीय शोध का नवोन्मेष अधूरा रहेगा। तकनीकी और सामाजिक विषयों के एकीकृत प्रयास भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

जहां तक समाज विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रश्न है, इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श की तत्काल आवश्यकता है। पहली महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की रुचि केवल भारत के आइटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय समाज विज्ञान में भी गहरी रुचि ले रहे हैं। उनके लिए भारत सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश और सबसे बड़ा विकासशील बाजार भी है। ऐसे में भारत के वर्तमान इतिहास,सामाजिक संरचना और उभरती आर्थिकी को समझना उनके लिए एक बड़ी बौद्धिक चुनौती और अवसर है।

दूसरा बिंदु यह है कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इन संस्थानों में लिबरल स्टडीज,समाज विज्ञान और कौशल विकास के लिए पर्याप्त स्थान होगा। यह भारतीय छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सामाजिक विषयों के अध्ययन का अवसर प्रदान करेगा। तीसरा और सबसे अहम पहलू यह है कि वर्तमान में दुनिया के विभिन्न देशों के बीच केवल आर्थिक विकास की ही प्रतिस्पर्धा नहीं है,बल्कि वैज्ञानिक शोधों के साथ-साथ बाजार,राजनीतिक आर्थिकी और समाज वैज्ञानिक विमर्शों के बीच एक वैचारिक टकराहट भी चल रही है।

प्रत्येक विकसित और विकासशील राष्ट्र चाहता है कि उसकी सफलता और विशिष्टता का नैरेटिव उसके आर्थिक प्रभाव के विस्तार को मजबूती दे। जो वैश्विक कारपोरेट घराने पूरी दुनिया में अपने व्यापार का विस्तार कर रहे हैं,उन्हें भी अपनी रणनीतियों के लिए न केवल वैज्ञानिक,बल्कि समाज वैज्ञानिक वृत्तांत चाहिए। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा बढ़ रहा है,जिसे अब सुदृढ़ अकादमिक और समाज वैज्ञानिक शोधपरक वृत्तांतों के समर्थन की आवश्यकता है,पर विडंबना यह है कि वर्तमान में अधिकांश समाज वैज्ञानिक शोधों में हम अपने समाज,विकास और आर्थिकी के सकारात्मक तत्वों को खोजने के बजाय नकारात्मक विमर्शों में ही उलझे हुए हैं।

प्रतिष्ठित समाज वैज्ञानिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों को अब इस दिशा में सार्थक एवं सकारात्मक पहल करने की महती आवश्यकता है। इसी दिशा में टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल टीस-ग्लोबल के नाम से शुरू करने जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत दुनिया भर के उन विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा,जो भारत पर शोध कर रहे हैं। साथ ही देश के दिग्गज समाज विज्ञानियों और विकास विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाकर उन्हें भारतीय समाज एवं विकास के नकारात्मक चित्रण के बजाय सकारात्मक पक्षों पर शोध,समझ और विमर्श के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस प्रक्रिया में देश के वैज्ञानिक एवं समाज वैज्ञानिक शोध संस्थानों का एक संयुक्त फोरम विकसित करना भी अनिवार्य है।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसरों का खुलना एक सुखद स्थिति है, जो हमारे छात्रों को शिक्षा के विविध विकल्प प्रदान कर रही है,पर हमें इसके साथ ही दुनिया के अन्य हिस्सों-विशेषकर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में अपने शिक्षा संस्थान खोलने की प्रक्रिया को भी तीव्र करना होगा। हमें अमेरिका,इंग्लैंड,आस्ट्रेलिया,जर्मनी जैसे देशों में विशिष्ट विषयों पर केंद्रित भारतीय संस्थान भी स्थापित करने होंगे।

महिलाओं के लिए रोल मॉडल और प्रेरणा-स्रोत हैं विश्व बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ.एस.अनुकृति

अमेरिका की जीई फंड स्कॉलरशिप,विकरी और हैरिस अवार्ड तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय की रिसर्च स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली डॉ. एस. अनुकृति को वर्ल्ड इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी का प्रथम यंग रिसर्चर अवार्ड भी प्राप्त हो चुका है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी,बोस्टन (अमेरिका) की फैलो रह चुकी डॉ. अनुकृति वर्तमान में कोलंबिया यूनिवर्सिटी,मैनहैट्टन (अमेरिका) तथा इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, बोन (जर्मनी) की फैलो हैं। भारत और अमेरिका के अतिरिक्त कनाडा,पेरू,पोर्टोरिको,बरमूडा,इंग्लैंड,स्कॉटलैंड,स्पेन,फ्रांस,जर्मनी,इटली,स्वीडन,चीन,हांगकांग,सिंगापुर,बंग्लादेश,केन्या और इथोपिया सहित बीस से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं। डॉ. अनुकृति डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स की विशेषज्ञ हैं तथा लगभग डेढ़ दशक पूर्व,विश्वबैंक की सलाहकार रहते हुए,लैंगिक समानता,विश्व में महिलाओं की आर्थिक स्थिति,महिलाओं की अशिक्षा और पिछड़ापन,बाल-कुपोषण आदि अनेक विषयों पर कार्य कर चुकी हैं। विगत दो दशकों से अमेरिका में रह रही डॉ.अनुकृति भले ही अब अमेरिकी नागरिक बन चुकी हैं, किंतु अपने जन्म-स्थान नारनौल (हरियाणा) और अपने मूल देश भारत तथा भारत की मिट्टी से इनका अब भी गहरा लगाव है...

प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

डॉ. अनुकृति को देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि साधारण-सी दिखने वाली यह युवा महिला विश्व बैंक, वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) में वरिष्ठ अर्थशास्त्री जैसे महत्त्वपूर्ण पद पर प्रतिष्ठित डॉ. एस. अनुकृति हैं। लेकिन यह सच है। विश्व बैंक में बतौर अर्थशास्त्री ज्वाइन करने के साथ ही डॉ. अनुकृति विश्व की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने वाली इस सर्वोच्च बैंकिंग संस्था की दस सदस्यीय मानव संसाधन समिति की सदस्य भी बन गई थीं। वर्तमान में यह विश्व बैंक के सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वीमेन एंड जॉब्स की सह-अध्यक्ष,पीएफ-इंपेक्ट कंसोर्टियम के टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप की सदस्य तथा डेवलपमेंट इंपैक्ट ब्लॉग की सक्रिय योगदानकर्ता के साथ-साथ बंग्लादेश बेस्ड सोशल साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट ब्राक इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड डिवेलपमेंट की दो समितियों वी-डिफाइन और वी-कॉनेक्ट की सदस्य भी हैं। इससे पूर्व,सात वर्षों तक बीसी यूनिवर्सिटी,बोस्टन (अमेरिका) में अर्थशास्त्र की प्रोफ़ेसर रही डॉ. अनुकृति के पति सिद्धार्थ रामलिंगम भी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और विश्व बैंक में सीनियर कंसल्टेंट रह चुके हैं तथा वर्तमान में वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) बेस्ड एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में स्ट्रैटजिक और प्लानिंग मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. अनुकृति साधारण होकर भी असाधारण हैं। अपनी विशिष्ट उपलब्धियों के कारण यह आज युवाओं और विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोल मॉडल तथा प्रेरणा-स्रोत बन चुकी हैं। डॉ. अनुकृति बचपन से ही बड़ी मेधावी और विलक्षण रही हैं। इन्होंने अपने माता-पिता से न कभी एक रुपया जेबखर्च लिया और न ही कभी सड़क पर खड़े होकर किसी ठेली-रेहड़ी वाले से कुछ खरीदा-खाया। एक दिन भी ट्यूशन नहीं किया, फिर भी, सीबीएसई की 10+2 (नॉन मेडिकल) परीक्षा में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया। डॉ. अनुकृति का जन्म हरियाणा के नारनौल शहर में हुआ, लेकिन अठारह वर्ष हिसार में और सात वर्ष दिल्ली में रहीं,अब बीस वर्षों से अमेरिका जैसे विश्व के सर्वाधिक विकसित और संपन्न देश में रह रही हैं। लेकिन दिखावा या आडंबर इन्हें छू तक भी नहीं पाया है। गर्मी हो या सर्दी,भारत आते ही यहाँ के परिवेश के अनुरूप ढल जाती हैं। दो दशकों से हवाई जहाज से सफर कर रही हैं,बीस से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं, लोकल में भी मैट्रो या एसी बस से जाती-आती हैं, लेकिन साइकिल के अतिरिक्त एक्टिवा तक इन्हें चलानी नहीं आती।

वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास मानव तथा अर्थशास्त्र की पूर्व प्रवक्ता डॉ. कांता भारती की लाडली बेटी तथा जन्मजात विशिष्ट प्रतिभा की धनी डॉ.अनुकृति की उपलब्धियाँ वैश्विक स्तर की रही हैं। दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से बीए इकोनॉमिक्स (ऑनर्स) और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमए (इकोनॉमिक्स) करने के उपरांत विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मैनहैट्टन (अमेरिका) से एमए (इकोनॉमिक्स), एमफिल् और पीएचडी की तीन उपाधियाँ एकसाथ प्राप्त कीं।

पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाली डॉ. अनुकृति ने विश्वस्तरीय संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है,लेकिन अन्य विद्यार्थियों की भाँति इन्हें प्रवेश लेने में कभी कोई कठिनाई नहीं हुई। 10+2 तक की शिक्षा हिसार के स्कूलों से प्राप्त करने के उपरांत इन्होंने बीए इकोनॉमिक्स (ऑनर्स) दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से किया। तत्पश्चात् दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय में एमए (अंतरराष्ट्रीय संबंध), दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एमए (अर्थशास्त्र) और इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट में एमए (गणित) हेतु आवेदन किया और तीनों में ही इनका चयन हो गया। इनमें से दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स को इन्होंने चुना। यही नहीं,दिल्ली स्कूल ऑफ इको नॉमिक्स से एमए (अर्थशास्त्र) करने के बाद पीएचडी हेतु इन्होंने अमेरिका के छह अग्रणी विश्वविद्यालयों-रोचेस्टर, ब्राउन, विसकोंसिन मेडिसिन, कोलंबिया, न्यूयॉर्क और मेरीलैंड में आवेदन किया और सभी छह विश्वविद्यालयों में इनका चयन हो गया। डॉ.अनुकृति ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मैनहैट्टन (न्यूयॉर्क) को चुना और वहाँ से एमए (इकोनॉमिक्स),एमफिल् और पीएचडी की तीन उपाधियाँ एक साथ प्राप्त कीं। लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि पीएचडी करने के बाद अमेरिका, कनाडा,ब्रिटेन, स्वीडन,आस्ट्रेलिया और भारत सहित छह देशों के सत्रह विश्वविद्यालयों या समतुल्य संस्थानों में इनकी नियुक्ति हो गई, जिनमें से बीसी यूनिवर्सिटी को इन्होंने ज्वाइन किया। आर्थिक दृष्टि से डॉ.अनुकृति कभी अपने माता-पिता पर बोझ नहीं बनीं। शिक्षा और शोधकार्य के दौरान इन्हें अमेरिका की जीई फंड स्कॉलरशिप,विकरी और हैरिस जैसे अवार्ड तथा कोलंबिया यूनिवर्सिटी रिसर्च स्कॉलरशिप प्राप्त हुई। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के 6-वर्षीय पीएचडी प्रोग्राम के दौरान तो इन्हें अपने माता-पिता से एक रुपए की भी आर्थिक सहायता नहीं लेनी पड़ी।

डॉ. अनुकृति कहती हैं कि मैं अपने सफर को कठिन तो नहीं कहूँगी, किंतु आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ,तो लगता है,हरियाणा के एक छोटे-से पिछड़े शहर से विश्व बैंक तक का से र कम ही लोग तय कर पाते हैं, विशेषकर ले कियों और महिलाओं के लिए भारत के कई राज्यों में अपनी पढाई और करियर को प्राथमिकता देना आसान नहीं है। किंतु मेरे परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन के कारण मुझे इस प्रकार की किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। मेरे माता-पिता ने मेरी और मेरे भाई (जो भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बने) की परवरिश इस प्रकार से की थी कि हमें कभी यह नहीं लगा कि हमारे लक्ष्य या आकांक्षाएँ केवल अपने शहर,राज्य या देश तक ही सीमित रहें। प्रारंभ में हरियाणा के एक छोटे शहर से दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज जाने में मुझे शायद अधिक अंतर अनुभव हुआ और समायोजन करने में कुछ समय लगा। किंतु बाद में मेरे लिए आगे का सफर अधिक मुश्किल नहीं रहा। अतः मैं माता-पिता और अभिभावकों से यही कहना चाहूँगी कि अपने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा का निर्णय बहुत सोच-विचारकर करें,क्योंकि उसका प्रभाव उनके पूरे जीवन और कैरियर पर पड़ता है। अपनी रुचि बच्चों पर न थोपें, बच्चों की रुचि का भी ध्यान रखें; अपना रास्ता और मंजिल उन्हें स्वयं तय करने दें। माता-पिता की रुचि बच्चों के व्यक्तित्व-विकास में सर्वाधिक बाधक है। सभी माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते हैं, जो उचित नहीं है। अन्य अनेक क्षेत्र हैं, जिनमें बच्चों को अपनी इच्छा और रुचि से जाने की छूट दी जाये,तो वे भी विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं। हाँ,माता-पिता का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन बच्चों के लिए बहुत आवश्यक है। मुझे नहीं लगता कि अपने माता-पिता के मार्गदर्शन के बिना मैं इतना-कुछ प्राप्त कर पाती। मेरे माता-पिता और अन्य परिजनों ने कभी मेरे और मेरे भाई के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया और न ही कभी मुझ पर छोटी उम्र में शादी करने और अपने करियर पर कम ध्यान देने का दबाव डाला। मुझे बचपन में हमेशा पढ़ने और सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया,घर के काम-काज का भार भी मुझ पर कभी नहीं डाला गया। अब मेरे पति प्रो.सिद्धार्थ रामलिंगम का भी मुझे पूरा सहयोग प्राप्त है,हम दोनों मिलकर, बराबरी से,एक-दूसरे के निर्णयों और कैरियर्स को सपोर्ट करते हैं। हमारी एक नन्ही बिटिया मिली (मृणालिनी) है,जिसने हमारे जीवन को खुशियों से भर दिया है।

सचमुच बहुत गर्व है पूरे भारत को, अपनी सुयोग्य और मेधावी बेटी डॉ. एस. अनुकृति पर। आज की युवा पीढ़ी इनसे बहुत कुछ सीख सकती है, इनसे प्रेरणा प्राप्त कर न केवल अपना भविष्य सँवार सकती है, बल्कि देश-विदेश में अपनी कीर्ति-पताका भी फहरा सकती है।

हरियाणवी गीतों के नाम पर गंदगी का बाजार

सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

देसी बीट्स,दोअर्थी संस्कृति और बेटियों की गरिमा पर बढ़ता खतरा

हरियाणा की मिट्टी केवल खेती-किसानी की ताकत से ही नहीं,बल्कि अपनी समृद्ध लोक संस्कृति से भी पहचानी जाती है। यहाँ की चौपालों में गूँजती रागनियाँ, शादी-ब्याह के लोकगीत,खेतों में काम करती महिलाओं की सामूहिक आवाजें और तीज-त्योहारों पर गाए जाने वाले पारंपरिक गीत—ये सब मिलकर हरियाणवी समाज की सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखते आए हैं। इन गीतों में प्रेम भी था, व्यंग्य भी था,जीवन का संघर्ष भी था और सामाजिक चेतना भी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि इन गीतों में मनोरंजन के साथ-साथ मर्यादा और संवेदनशीलता भी होती थी।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हरियाणवी संगीत की दिशा तेजी से बदलती दिखाई दे रही है। आधुनिक बीट्स, तेज रफ्तार रैप,ग्लैमर और सोशल मीडिया की वायरल संस्कृति ने इस संगीत को लोकप्रिय तो बनाया है,लेकिन इसके साथ कई चिंताजनक प्रवृत्तियाँ भी उभर कर सामने आई हैं। आज हरियाणवी गीतों का एक बड़ा हिस्सा केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा,बल्कि कई बार वह दोअर्थी शब्दों, भद्दे संकेतों और महिलाओं के अपमानजनक चित्रण का माध्यम बनता जा रहा है। यह बदलाव केवल भाषा तक सीमित नहीं है। कई गीतों के वीडियो में महिलाओं को ऐसे रूप में प्रस्तुत किया जाता है,जहाँ उनका अस्तित्व केवल आकर्षण या मनोरंजन की वस्तु बनकर रह जाता है। यह प्रवृत्ति न केवल संगीत की गुणवत्ता को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में स्त्री के प्रति दृष्टिकोण को भी प्रभावित कर सकती है।

आज हरियाणा तेजी से बदल रहा है। यहाँ की बेटियाँ शिक्षा,खेल,प्रशासन और विज्ञान के क्षेत्र में नए मुकाम हासिल कर रही हैं। गाँवों से निकलकर देश-दुनिया में नाम रोशन कर रही इन बेटियों ने यह साबित कर दिया है कि अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। लेकिन दूसरी ओर,लोकप्रिय संस्कृति के कुछ हिस्सों में उनका चित्रण जिस तरह से किया जा रहा है, वह चिंताजनक है। जब लोकप्रिय गीतों में महिलाओं को हल्के या दोअर्थी संदर्भों में दिखाया जाता है,तो यह केवल मनोरंजन का विषय नहीं रह जाता। यह धीरे-धीरे एक सामाजिक मानसिकता को भी जन्म देता है,जिसमें स्त्री को सम्मानित व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि मनोरंजन की वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है।

हरियाणवी समाज में परिवार और सामाजिक सम्मान की अवधारणा हमेशा महत्वपूर्ण रही है। यहाँ बेटियों को घर की इज्जत माना जाता है। लेकिन विडंबना यह है कि वही समाज कई बार ऐसे गीतों को भी उत्साह से सुनता है जिनमें महिलाओं के लिए इस्तेमाल की गई भाषा सम्मानजनक नहीं होती। इस पूरे परिदृश्य में सोशल मीडिया की भूमिका भी कम नहीं है। आज गीत केवल रेडियो या कैसेट तक सीमित नहीं हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म ने संगीत को लाखों लोगों तक पहुँचाने का रास्ता खोल दिया है। एक गीत कुछ ही घंटों में वायरल हो सकता है और करोड़ों लोग उसे देख सकते हैं।

समस्या यह है कि इस वायरल संस्कृति में कई बार गुणवत्ता से ज्यादा सनसनी को महत्व मिलने लगता है। विवादास्पद या दोअर्थी शब्दों वाले गीत जल्दी ध्यान आकर्षित करते हैं और इसलिए कुछ निर्माता जानबूझकर ऐसी सामग्री तैयार करते हैं जो चर्चा पैदा कर सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ लाख व्यूज़ और लाइक्स के लिए समाज की संवेदनशीलता को नजरअंदाज किया जा सकता है?

हरियाणवी संस्कृति की असली पहचान उसकी सादगी, स्पष्टता और स्वाभिमान से रही है। यहाँ के लोकगीतों में हास्य होता था,लेकिन वह मर्यादित होता था। व्यंग्य होता था,लेकिन उसमें अपमान नहीं होता था। आज जब हम कई आधुनिक गीतों को देखते-सुनते हैं, तो लगता है कि संस्कृति केवल एक देसी पैकेज बनकर रह गई है—जिसमें ट्रैक्टर, खेत, देसी पहनावा और गाँव का दृश्य तो दिखाया जाता है, लेकिन भाषा और भावनाओं में वह संवेदनशीलता नहीं दिखाई देती जो असली संस्कृति की पहचान होती है।

संस्कृति केवल बाहरी प्रतीकों से नहीं बनती। संस्कृति का असली अर्थ समाज के मूल्यों और संवेदनाओं से होता है। यदि किसी संस्कृति को केवल बाजार और मनोरंजन का साधन बना दिया जाए, तो धीरे-धीरे उसकी गरिमा कम होने लगती है।

यह मुद्दा केवल कलाकारों तक सीमित नहीं है। समाज के हर हिस्से की इसमें भूमिका है। कलाकारों को यह समझना होगा कि लोकप्रियता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। उनके गीत लाखों युवाओं तक पहुँचते हैं और वे अनजाने में समाज की सोच को प्रभावित कर सकते हैं। इसी तरह दर्शकों और श्रोताओं की भी जिम्मेदारी है। जब तक लोग ऐसे गीतों को उत्साह से सुनते रहेंगे, तब तक बाजार में उनकी मांग बनी रहेगी। इसलिए समाज को भी यह तय करना होगा कि वह किस तरह की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है।

सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं की भूमिका भी यहाँ महत्वपूर्ण हो जाती है। रचनात्मक अभिव्यक्ति पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए उचित नहीं है। लेकिन यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि सार्वजनिक मंचों पर प्रस्तुत सामग्री में न्यूनतम सामाजिक संवेदनशीलता बनी रहे। हरियाणवी संगीत की असली ताकत उसकी लोक परंपरा में रही है। यही संगीत चौपालों से निकलकर मंचों तक पहुँचा और फिर पूरे देश में अपनी पहचान बना सका। यदि इसी संगीत को केवल सनसनी और विवाद का माध्यम बना दिया जाएगा, तो यह उसकी आत्मा के साथ अन्याय होगा।

मनोरंजन समाज का जरूरी हिस्सा है। संगीत लोगों को जोड़ता है,खुशियाँ देता है और जीवन के तनाव को कम करता है। लेकिन मनोरंजन तब तक ही सुंदर लगता है जब तक वह समाज की गरिमा और संवेदनशीलता का सम्मान करता है। हरियाणा की असली पहचान उसकी मेहनती जनता,उसकी मजबूत संस्कृति और उसकी बेटियाँ हैं। यदि संगीत सच में इस संस्कृति का प्रतिनिधित्व करना चाहता है,तो उसे इस गरिमा का सम्मान भी करना होगा।

आज जरूरत इस बात की है कि हरियाणवी संगीत केवल तेज बीट्स और वायरल वीडियो तक सीमित न रह जाए, बल्कि वह अपनी मूल पहचान—सादगी, संवेदनशीलता और सम्मान—को भी साथ लेकर चले। क्योंकि जब संस्कृति का नाम लेकर गंदगी परोसी जाने लगे, तो यह केवल संगीत का संकट नहीं होता, बल्कि समाज की सोच का भी संकट बन जाता है। और किसी भी समाज की सबसे बड़ी पहचान उसकी संस्कृति और उसकी बेटियों की गरिमा ही होती है।

युवा साथी संतोष कुमार

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

जो इंसान गिरकर रुकना नहीं बल्कि उठकर आगे बढ़ाना जानता हो वही इंसान देश के भविष्य को तैयार कर सकता है जी हां मै ये बात इतने विश्वास के साथ इसलिए कह रही हुं क्योंकि मैं अभी हाल में ही एक ऐसे युवा साथी से मिली हूं जिसने विफलता देखी,जिसने परेशानियों को झेला लेकिन अपना लक्ष्य नहीं बदला। जी हां! आज मैं आप सभी का मुलाकात मुजफ्फरपुर के युवा संतोष कुमार से करवाती हुं जिसकी कहानी से आप सभी को प्रेरणा मिलेगी। देखिए हर इंसान अपने सपने को पूरा करने के लिए बहुत मेहनत करता लेकिन हर बार मेहनत का फल मिले ये जरूरी नहीं होता है इसलिए विफलता से निराशा मत होइए बल्कि अपने आप पर और मेहनत कीजिए। जैसा संतोष जी ने खुद पर किया। वो सबसे पहले दो-तीन स्कूल में बतौर शिक्षक के रूप में पढ़ाए,अनुभव पाए और उनके पढ़ाने के अंदाज़ के कारण बच्चों का व उनके माता-पिता का इतना प्यार और विश्वास मिला कि संतोष जी ने आज के इस आधुनिक दुनिया के अनुसार देश के भविष्य यानि हमारे बच्चों के लिए एक स्कूल की स्थापना किया, काफी बच्चों ने इस स्कूल में दाखिला लिया और स्कूल के सभी शिक्षकों के मेहनत से बहुत कम समय में यह स्कूल लोकप्रिय हो गया तभी कोविड आ गया जिसके कारण स्कूल बंद हो गया, सारे खर्च अब कर्ज बनने लगे। धीरे -धीरे शिक्षकों का साथ छूटने लगा। हर जगह से सिर्फ नुकसान ही नुकसान। सबका कहना था कि अब ये स्कूल डूब जाएगा, कौन ही दुबारा नाम लिखाएगा और स्कूल भी रेन्ट पर था तो रेन्ट भी देना पड़ रहा था। सब बोलने लगे-संतोष तुम इस स्कूल को बंद कर दो,बहुत नुकसान हो गया है। तुम पहले के तरह किसी स्कूल में बतौर शिक्षक के रूप में पढ़ाने का काम करो। सभी की बातों को सुनते हुए भी वो नुकसान झेलकर भी मुस्कुराते रहे और जैसे ही कोविड खत्म हुआ,संतोष जी ने और अधिक ऊर्जा के साथ पुनः स्कूल के कार्यों में लग गए और अपने मेहनत के बल पर सारे कर्ज ख़त्म कर लिए। आज के समय में संतोष जी के स्कूल को बच्चों के लिए सबसे विश्वसनीय स्कूल के रूप में जाना जाता है और बहुत जल्द दूसरे शाखा का भी शुभारंभ करने वाले है। सोचिए अगर उस वक्त संतोष जी का आत्मविश्वास कम हो जाता तो शायद आज जो वो है वो नहीं होते। इसलिए हर परिस्थिति में आप सभी अपने आत्मविश्वास को बनाए रखे। खुद को खुद ही प्रोत्साहित करें। विफलता के बाद भी लक्ष्य से भटकें नहीं बल्कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत करें।।

कस्टमर केयर से प्रेम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

यदि आपको लगता है कि इस दुनिया में धैर्य का अंतिम अध्याय हिमालय की गुफाओं में लिखा जाता है, तो आप गलत हैं। धैर्य की असली पराकाष्ठा तो उस समय दिखती है जब एक आम भारतीय नागरिक अपने इंटरनेट के न चलने की शिकायत करने के लिए कस्टमर केयर को फोन लगाता है। यह वह प्रेम-प्रसंग है जिसमें प्रेमी ते पता रहता है और प्रेमिका केवल रिकॉर्डेड संगीत सुनाकर उसे बहलाती रहती है। हमारे मोहल्ले के बनवारी लाल जी का वाई-फाई पिछले तीन दिनों से कोमा में था। उन्होंने हिम्मत जुटाई और कंपनी के नंबर पर डायल किया। उधर से एक सुरीली, मगर निर्जीव आवाज आई—नमस्ते! हमारे सभी एग्जीक्यूटिव अभी दूसरे ग्राहकों की सेवा में व्यस्त हैं। आपकी कॉल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।बनवारी लाल जी को लगा कि शायद उनकी महत्ता का मूल्यांकन अभी होने वाला है। लेकिन अगले ही पल एक ऐसा संगीत शुरू हुआ जो न तो पूरी तरह शास्त्रीय था और न ही पॉप। वह उस बांसुरी की आवाज थी जिसे सुनकर शायद सांप भी अपना बिल छोड़कर भाग जाए,पर ग्राहक को वह मजबूरी में सुननी ही पड़ती है। बनवारी लाल जी ने भी तर्क दिया, भाई, ये संगीत नहीं, ये तो हमारी बेबसी का बैकग्राउंड म्यूजिक है!

दस मिनट बीते। संगीत की धुन बदली। अब सितार बजने लगा। बनवारी लाल जी को लगा कि अब शायद कोई इंसान बोलेगा। पर फिर वही सुरीली आवाज—धैर्य बनाए रखें, आप कतार में सातवें नंबर पर हैं। बनवारी लाल जी को अपनी शिक्षा पर शक होने लगा। उन्हें लगा कि शायद वे कस्टमर केयर को नहीं,बल्कि मोक्ष प्राप्ति के लिए स्वर्ग की लाइन में लगे हैं, जहाँ सातवें नंबर का मतलब है—अगले जन्म तक की प्रतीक्षा।आधे घंटे बाद, जब बनवारी लाल जी का फोन गर्म होकर तवे जैसा हो गया और उनके कान का आकार फोन के स्पीकर जैसा हो गया,तब अचानक संगीत रुका। एक कर्कश आवाज आई—हेलो,मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूँ?बनवारी लाल जी की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। उन्होंने अपनी पूरी व्यथा सुनाई—कैसे उनका नेट नहीं चल रहा, कैसे उनका पोता ऑनलाइन क्लास नहीं ले पा रहा।

उधर से जवाब मिला—क्षमा करें सर,आपका फोन गलत विभाग में लग गया है। मैं आपको टेक्नीकल टीम को ट्रांसफर कर रहा हूँ। कृपया लाइन पर बने रहें। और फिर...वही बांसुरी! वही तड़प! बनवारी लाल जी को लगा जैसे वे किसी प्राचीन मंदिर के गर्भगृह के सामने खड़े हैं,जहाँ पुजारी कह रहा है कि देवता अभी सो रहे हैं,तुम बाहर बैठकर कीर्तन सुनो। पूरे दो घंटे बीत गए। बनवारी लाल जी अब संगीत के इतने आदि हो चुके थे कि वे खुद भी उस धुन पर गुनगुनाने लगे थे। उन्हें लगने लगा था कि अब उनका रिश्ता उस होल्ड म्यूजिक से गहरा हो गया है। तभी अचानक कॉल कट गई। बनवारी लाल जी ने फिर से डायल किया। इस बार जैसे ही घंटी बजी, उधर से आवाज आई— सर,आपकी पिछली कॉल के फीडबैक के लिए यह सर्वे है। हमारी सेवाओं से आप कितने संतुष्ट हैं? 1 दबाएँ यदि बहुत संतुष्ट हैं...बनवारी लाल जी ने बड़े शांत भाव से 1 दबाया। उनकी पत्नी ने हैरान होकर पूछा,अरे! नेट तो ठीक हुआ नहीं,तुमने संतुष्ट क्यों लिखवाया? बनवारी लाल जी ने दार्शनिक अंदाज में कहा,अरी भाग्यवान,मैं सेवा से संतुष्ट नहीं हूँ, मैं तो इस बात से खुश हूँ कि दो घंटे तक उन्होंने मुझे मुफ्त में वो संगीत सुनाया जो सुनकर मुझे समझ आ गया कि—इंतजार का फल मीठा नहीं,बल्कि साइलेंट होता है। वैसे भी, नेट नहीं चल रहा तो क्या हुआ,आज दो घंटे बाद मुझे पता चला कि मेरा बीपी अब म्यूजिक प्रूफ हो चुका है!

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पण्डो जनजाति की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप....

कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

कूट रचना कर नाम दर्ज कराने,जातिसूचक गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप,भारतीय न्याय संहिता और एट्रोसिटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज करने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मांजा, मोहल्ला राजाकटेल से पण्डो समाज के लोगों ने पुलिस अधीक्षक सरगुजा को ज्ञापन सौंपकर माँग रखी है कि अति विशेष संरक्षित जनजाति पण्डो समाज के लोगों की भूमि को कूट रचना कर अवैध नाम दर्ज कराने वाले,जाति सूचक गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने वाले लोगों पर अपराध पंजीबद्ध की जाए । पण्डो जनजाति के लोगों ने जमील अहमद पिता गुलबहार,शकील अहमद पिता गुलबहार,समीम अहमद पिता गुलबहार,गुलबहार अहमद पिता अज्ञात,नसीम पिता सधुरन,खुरशीद पिता मुबारक,कबीर पिता मुबारक,असलम पिता कबीर,मोहम्मद जमील माता टुकली,खुरशीद पिता हुसैन,बाबर पिता हुसैन,मोहताब पिता जहुर,निसार पिता अज्ञात,सुल्तान पिता अज्ञात, रफिक पिता अज्ञात,ताहिर पिता अज्ञात,एनुल पिता अज्ञात,बबलु खान पिता एनुल, सैनुल पिता ताहिर, हुसैन,हसन,सहाजन, सफिक, रजाक,परवेज आलम,इत्याज अंसारी पिता उसमान अंसारी,खुदबुद्दीन, असमो मोहम्मद अंसारी,कुरबान एवं अन्य व्यक्तियों पर आरोप लगाया है कि वे अति विशेष संरक्षित जनजाति के अंतर्गत आते हैं और वर्तमान में आरोपीगण द्वारा किये जा रहे गंभीर अन्याय और उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए आवेदन में उन्होंने कहा है कि वे परिवार सहित कई पीढ़ियों से अपनी राजाकटेल की पैतृक भूमि पर निवास करते आ रहे हैं तथा उनके जीवन-यापन का मुख्य आधार कृषि है। यह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है कि राजाकटेल में निवासरत अनावेदक गण द्वारा आवेदक गण की पारिवारिक पैतृक भूमि के संबंध में कूट रचना कर एवं जाल-साजी करते हुए बलपूर्वक राजस्व अभिलेखों में कुछ अनावेदक गण द्वारा अपना नाम दर्ज करा लिया गया है। जब पण्डो जनजाति के लोग द्वारा अनावेदक गण से भूमि पर किए गए कब्जे को खाली करने की बात की जाती है तो आरोपी गण द्वारा एक राय एवं संगठित होकर उन्हें जान से मारने की धमकी और जातिसूचक गाली देते हुए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाता है । पण्डो जनजाति के लोगों ने बताया कि आरोपियों द्वारा गांव के कई पण्डो जाति के लोगों की काबिज काश्त भूमि पर भी जबरन कब्जा कर लिया गया है जिस पर शासन द्वारा वन अधिकार पट्टा दिया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से विस्तृत जांच करते हुए अनावेदक गण के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं एट्रोसिटी एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत अपराध दर्ज करने की माँग की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय उपस्थित होने वालों में लाल गुलाब,संजय,श्रीमती हीरामती,फुल सुन्दरी,रतियानो, विरोधन पण्डो, सलमान पण्डो,रतन पण्डो,दरोगा, शिवप्रसाद, मुन्ना, शिवचरण सहित पण्डो जनजाति के अन्य लोग उपस्थित थे ।

गौर पूर्णिमा महोत्सव रविवार को फूलों की होली और हरिनाम संकीर्तन का होगा आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

इस्कॉन अंबिकापुर प्रचार केंद्र द्वारा चैतन्य महाप्रभु के प्राकट्य दिवस के अवसर पर रविवार को गौर पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बनारस चौक स्थित सेक्टर-2, दत्ता कॉलोनी में आयोजित होगा। आयोजन सुबह 10 बजे से होगी। इस दौरान भगवान गौर-निताई का विभिन्न फलों के रस और पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद भगवान को श्रद्धापूर्वक छप्पन प्रकार के व्यंजनों का नैवेद्य अर्पित किया जाएगा। महोत्सव के दौरान फूलों की होली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भक्त पुष्पों की वर्षा के बीच भक्ति भाव से उत्सव मनाएंगे। इस दौरान हरिनाम संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय रहेगा। इस्कॉन अंबिकापुर प्रचार केंद्र के प्रभारी दयानिधि दास ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु ने संकीर्तन आंदोलन के माध्यम से हरिनाम को विश्वभर में फैलाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिक चेतना से जोडऩा और समाज में शांति व प्रेम का संदेश देना है। कार्यक्रम के समापन पर दोपहर 3 बजे सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति ने शहरवासियों और धर्मप्रेमियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु 09 मार्च से ऑनलाइन आवेदन शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर (शहरी) अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए पूर्व में जारी विज्ञापन में संशोधन किया गया है। अब इच्छुक महिला अभ्यर्थी इस पद के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। परियोजना अधिकारी (शहरी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व में इस पद के लिए ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसे संशोधित कर अब ऑनलाइन कर दिया गया है। भर्ती संबंधी जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी सहायिका के एक रिक्त पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पद केदारपुर सेक्टर अंतर्गत तकिया रोड आंगनबाड़ी केंद्र,नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड क्रमांक 22 के लिए निर्धारित है। ऑनलाइन आवेदन 09 मार्च 2026 से 23 मार्च 2026 तक स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट https://aww.e-bharti.in/ पर जाकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार यह पद केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित है। नियुक्ति से संबंधित विस्तृत नियम, शर्तें एवं पात्रता की जानकारी परियोजना कार्यालय या नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

कुटुम्ब न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारी के साथ मारपीट का मामला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने आ रहे कुटुम्ब न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है, रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। घटना थाने के सीसीटीवी में रिकार्ड हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कुटुम्ब न्यायालय अंबिकापुर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदस्थ विजय पाण्डेय के भांजा साहिल पाठक 04 मार्च को एक्सीडेंट हो गया था, जिसकी जानकारी लेने के लिए वे 05 मार्च को शाम करीब 6.30 बजे मोन्टी सिंह को फोन किए थे। मोन्टी सिंह उन्हें बौरीपारा रिंग रोड में पाण्डेय पेट्रोल पम्प के पास बुलाया। जब वे कार से वहां पहुंचे तो बातचीत के दौरान मोन्टी सिंह अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। जब वे अपनी कार से थाना में रिपोर्ट करने आ रहे थे तो पीछे से मोन्टी सिंह एवं अन्य स्कूटी से चांदनी चैक के पास आकर उन्हें रोकने का प्रयास करते हुए गाड़ी में हाथ-मुक्का से प्रहार करने लगे। इनसे बचकर वे थाना पहुंचे तो करीब 7 बजे पीछे से पहुंचे मोन्टी सिंह एवं उसके साथी कार से उतरते वक्त बेखौफ होकर लात, घूंसे से मारपीट करने लगे। इस दौरान साथ में आए लोग और पुलिस ने बीच-बचाव किया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

पैसे के विवाद में युवक की हत्या 24 घंटे के भीतर 3 आरोपी गिरफ्तार

एक विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल,डंडा व कपड़े जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम भकुरा में पैसे के लेन-देन के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल है। पुलिस के अनुसार मर्ग क्रमांक 25/26 के तहत मृतक सुटुल (25) निवासी ग्राम भकुरा की मौत की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान मर्ग पंचनामा, गवाहों के बयान और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर हत्या का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि 3 मार्च की रात से 4 मार्च की सुबह के बीच मृतक का अजय पैकरा,छत्रपाल और एक विधि से संघर्षरत बालक के साथ पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढऩे पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए बांस के डंडे, हाथ-मुक्कों और लात से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाई,जिससे युवक की मौत हो गई। मामले में थाना कोतवाली में धारा 103 व 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर गवाहों के बयान दर्ज किए और

आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने अजय पैकरा उर्फ जर्रा (19) और छत्रपाल (20) निवासी भकुरा चट्टीपारा को गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक विधि से संघर्षरत बालक को भी पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले मृतक के साथ काम करते थे और मजदूरी के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में उन्होंने मिलकर मारपीट की थी।

डंडा और कपड़े जब्त : पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बांस का डंडा और आरोपी अजय पैकरा द्वारा घटना के समय पहना गया कपड़ा भी जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है,जबकि विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकांत सिन्हा,एएसआई उमाशंकर पांडेय,प्रधान आरक्षक सोमार साय तथा आरक्षक मंटू गुप्ता,शिव राजवाड़े,प्रमोद टेटे और अमर सिंह की अहम भूमिका रही।

रजिस्ट्रार को विश्वविद्यालय से बाहर अटैच करना नियम विरुद्ध हाईकोर्ट ने आदेश किया निरस्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को किसी गैर-विश्व विद्यालय कार्यालय में अटैच करना कानून के विरुद्ध है। न्यायमूर्ति पार्थ प्रतिम साहू की एकलपीठ ने इस संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी आदेश को निरस्त कर दिया है। मामले में याचिकाकर्ता बिनोद कुमार एक्का, जो संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा में रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत थे, को 15 मार्च 2024 के आदेश के तहत उच्च शिक्षा आयुक्त के कार्यालय में अटैच कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि छत्तीसगढ़ विश्व विद्यालय अधिनियम 1973 और विश्व विद्यालय सेवा नियम 1983 के अनुसार रजिस्ट्रार का पद विश्वविद्यालय का वैधानिक पद है और उसकी सेवा केवल एक विश्वविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय में ही स्थानांतरित की जा सकती है। किसी अन्य विभाग या कार्यालय में पदस्थापना का प्रावधान नहीं है। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से तर्क दिया गया कि शासन नियुक्ति प्राधिकारी होने के कारण पोस्टिंग करने के लिए सक्षम है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्हें विश्वविद्यालय से हटाकर आयुक्त कार्यालय में अटैच करना नियमों का उल्लंघन है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पाया कि रजिस्ट्रार का पद पूरी तरह विश्वविद्यालय अधिनियम और नियमों के तहत संचालित होता है तथा उसे किसी अन्य गैर-विश्वविद्यालय कार्यालय में अटैच करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए जारी आदेश कानून के अनुरूप नहीं है। अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि याचिकाकर्ता को विश्वविद्यालय से बाहर अटैच करने का आदेश नियमों के विपरीत है।

मतदाता सूची में नाम काटने फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म जमा करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज करने थाने में दिया आवेदन

-संवाददाता-
लखनपुर,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी निवासी सुरेंद्र साहू पिता स्वर्गीय राम अवतार साहू उम्र 52 वर्ष वार्ड क्रमांक 2 नगर पंचायत लखनपुर निवासी के नाम से विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर मतदाता सूची से नाम कटवाने हेतु फर्जी दस्तावेज तैयार कर फॉर्म में फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म जमा करने के मामले में प्रार्थी सुरेंद्र साहू ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया है ज्ञापन में उल्लेखनीय है कि प्रार्थी सुरेंद्र साहू को 26 फरवरी को ज्ञात हुआ की तहसील कार्यालय लखनपुर में उनके नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा विशेष मुस्लिम समुदाय के करीब 111-112 लोगों का मतदाता सूची में नाम काटने हेतु फर्जी हस्ताक्षर कर आवेदन दिया गया था। जबकि उनके द्वारा किसी तरह का एस आई आर में नाम काटने हटाने हेतु कोई आवेदन नहीं दिया गया था जिसे लेकर उन्होंने थाना प्रभारी को आवेदन देकर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

मजदूर और उसके पुत्र के साथ मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

हड़िया कहां मिलता है, पूछने पर मजदूर व उसके पुत्र की दो भाईयों ने मिलकर पिटाई कर दी। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लालमाटी की है। मजदूरी का काम करने वाले रामभगत अगरिया ने पुलिस को बताया है कि 05 मार्च को शाम करीब 04 बजे वह अपने पुत्र कपिल के साथ हड़िया शराब लेने ग्राम लालमाटी गया था। सोसायटी के थोड़ा आगे लालमाटी के विजय अपने भाई के साथ मिला, इनसे वह हड़िया कहां मिलता है, तो दोनों गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का और बांस के डण्डा से मारपीट करने लगे। साथ में गया मजदूर का लड़का कपिल बीच-बचाव करने लगा, तो उसके साथ भी दोनों मारपीट किए। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है।

आग से झुलसी महिला की मौत,मायके पक्ष ने पति पर पेट्रोल डालकर जलाने का लगाया आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम हसुली में आग से झुलसी एक महिला की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने महिला के पति पर पेट्रोल डालकर जलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हिमांशी 21 वर्ष निवासी ग्राम हसुली की शादी करीब चार वर्ष पहले रामलाल से प्रेम विवाह के रूप में हुई थी।

बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था और पति द्वारा मारपीट किए जाने की बात भी सामने आई है। गुरुवार को हिमांशी आग से झुलस गई थी। परिजन ने उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद उसकी मां सुशीला ने आरोप लगाया कि उसके दामाद ने पेट्रोल डालकर बेटी को आग लगा दी। वहीं पति रामलाल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि घटना के समय वह गांव में घूमने गया था। इसी दौरान उसे जानकारी मिली कि उसकी पत्नी आग से जल गई है। इसके बाद वह घर पहुंचा और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आया। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

पड़वा को पीट-पीटकर मारने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

डंडा व पत्थर से हमला कर की थी पशु की हत्या,पुलिस ने किया सामान जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र में पशु क्रूरता का एक मामला सामने आया है। पड़वा को डंडा और पत्थर से मारकर मौत के घाट उतारने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मठपारा निवासी मोहरलाल यादव ने 26 फरवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी की रात उनके मवेशी घर के पास बंधे हुए थे। इसी दौरान एक पड़वा खुला हुआ था।

रात में गांव के ही पनेश्वर मुण्डा और विकास मुण्डा उसे डंडा और पत्थर से दौड़ा-दौड़ाकर मारने लगे। पड़वा के चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहरलाल की पत्नी बाहर आई तो उसने दोनों आरोपियों को पशु को पीटते हुए देखा। रोकने पर आरोपियों ने उससे गाली-गलौज भी की। गंभीर चोट लगने से बाद में पड़वा की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने धारा 325 बीएनएस, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों विकास मुण्डा (25) और परमेश्वर उर्फ पनेश्वर मुण्डा (27) निवासी मठपारा को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उन्होंने घटना करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा और पत्थर का टुकड़ा भी जब्त किया है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी सी.पी. तिवारी, एएसआई अनिल पाण्डेय सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

CMYK

गैस की लौ जले, पर सड़क क्यों पिघले?

ड्रिल हुआ विकास, उभर आई सड़क...एक सुविधा के लिए दूसरी की कुर्बानी-यही है नया विकास?

विकास की ड्रिल:गैस पाइप के नीचे दबा राष्ट्रीय राजमार्ग
सुविधा की कीमत:क्या सड़कें अब बलि का बकरा हैं?

- पटना का राजमार्ग या प्रयोगशाला? विकास का अंडरग्राउंड मॉडल
- राजमार्ग पर गड्ढे और व्यवस्था में सन्नाटा...विकास का भूमिगत प्रयोग,सतह पर उभरे सवाल
- 'विकास' की नई परिभाषा ने जन्म लिया गैस पाइप के लिए सड़क की बलि!
- कोरिया के पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर विकास का 'ड्रिल मॉडल'

-रवि सिंह-

कोरिया/पटना,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के पटना नगर पंचायत में इन दिनों विकास अपने नए रूप में दिखाई दे रहा है,पहले सड़क बनती थी,फिर सुविधा आती थी,अब सुविधा आती है,और सड़क चली जाती है, राष्ट्रीय राजमार्ग जिसे बनने में वर्षों की फाइलें,करोड़ों की लागत और जनता की उम्मीदें लगती हैं वही आज गैस पाइपलाइन की 'भूमिगत महत्वाकांक्षा' के आगे नतमस्तक दिख रहा है,जहां अधिकांश जगहों पर पाइप लाइन सड़क के किनारे से निकाली गई,वहीं पटना शहर के भीतर इसे राष्ट्रीय राजमार्ग के नीचे से ले जाया गया जिसका नतीजा? कहीं सड़क उभरी हुई है,कहीं दरारें हैं,कहीं गड्ढे ऐसे कि मानो धरती भी सोच में पड़ गई हो की 'मुझसे पूछ तो लेते! ' बता दे की कोरिया जिले के पटना नगर पंचायत में इन दिनों विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है फर्क सिर्फ इतना है कि यह अध्याय कागज़ पर नहीं,राष्ट्रीय राजमार्ग की सतह पर उकेरा जा रहा है, गैस पाइपलाइन बिछाने के नाम पर सड़क के नीचे मशीनें चलीं और ऊपर सड़क ने उभरकर मानो विरोध दर्ज करा दिया,राष्ट्रीय राजमार्ग कोई साधारण सड़क नहीं होता। यह किसी क्षेत्र की आर्थिक,सामाजिक और प्रशासनिक जीवनरेखा है, इसे बनाने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं,वर्षों की प्रक्रिया लगती है,और तब जाकर जनता को एक सुगम मार्ग मिलता है। ऐसे में यदि किसी नई सुविधा के लिए उसी मार्ग को जोखिम में डाल दिया जाए,तो यह विकास नहीं बल्कि असंतुलन की कहानी बन जाती है।

करोड़ों की सड़क बनाम 'सुविधा का जोश'-राजमार्ग बनने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं,जनता टैक्स देती है, सरकार बजट देती है, तब जाकर एक अच्छी सड़क नसीब होती है, और अब,गैस पाइपलाइन बेचकर सुविधा देने की जल्दी में सड़क की हालत ऐसी कर दी गई है जैसे विकास का रिहर्सल चल रहा हो,सवाल सीधा है की क्या पाइपलाइन बिछाने वाली कंपनी सड़क को दोबारा उसी गुणवत्ता में बनाएगी? क्या जुर्माना लगेगा? या फिर 'काम हो गया' मानकर सब आगे बढ़ जाएंगे?

विकास का नया फॉर्मूला

एक सुविधा दो,दूसरी सुविधा को दांव पर लगा दो,कहते हैं कि आधुनिक तकनीक से काम हुआ है,मशीनें आईं,ड्रिलिंग हुई,पाइप नीचे गया...और सड़क ऊपर से फूल गई, ऐसा लगता है जैसे राजमार्ग भी कह रहा हो-'मुझे गैस नहीं,आराम चाहिए!'गैस पाइपलाइन निस्संदेह आधुनिक सुविधा है,स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में यह आवश्यक कदम है,परंतु सवाल सुविधा का नहीं,उसके क्रियान्वयन का है,जहां अधिकांश स्थानों पर पाइपलाइन सड़क के किनारे से डाली गई,वहीं पटना शहर के भीतर इसे राजमार्ग के नीचे से ले जाने का निर्णय क्यों लिया गया? क्या यह तकनीकी मजबूरी थी या प्रशासनिक सुविधा? आज सड़क पर उभार हैं,दरारें हैं,गड्ढों की आशंका है। कल यदि कोई दुर्घटना होती है,तो जिम्मेदारी किसकी होगी?

अनुमति की फाइल भी भूमिगत?

भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव और अनुमति प्रक्रिया सामान्यत, National Highways Authority of India (NHAI) के अधीन होती है, नियम कहते हैं कि पहले अनुमति, फिर तकनीकी मानक,और अंत में सड़क को पूर्व स्थिति में बहाल करना अनिवार्य,लेकिन यहां जनता पूछ रही है की क्या अनुमति भी पाइपलाइन के साथ जमीन के नीचे चली गई? या विभागीय चुप्पी ही नया प्रशासनिक मॉडल है?

खतरे की घंटी

आज सड़क उभरी है,कल धंस भी सकती है, जहां खुदाई हुई है,वहां अचानक गड्ढा बन जाए तो हादसे की जिम्मेदारी कौन लेगा? सड़क कोई निजी आंगन नहीं है कि खराब हुई तो झाड़ू लगाकर ठीक कर लेंगे। यह राष्ट्रीय राजमार्ग है क्षेत्र की आर्थिक धड़कन।

संतुलित विकास या संतुलन बिगाड़ विकास?

गैस पाइपलाइन बुरी नहीं है,स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कदम है,लेकिन विकास का मतलब यह नहीं कि एक सुविधा की नींव दूसरी सुविधा को कमजोर कर दे,यदि सड़क की उम्र घट गई, दुर्घटना का खतरा बढ़ गया और विभाग मौन रहा–तो यह विकास नहीं, व्यवस्था की व्यंग्य कथा बन जाएगी।

जनता का अंतिम सवाल

पटना की जनता पूछ रही है की क्या गैस की लौ जलाने के लिए सड़क की चमक बुझानी जरूरी थी? विकास तब सार्थक होता है जब वह जोड़ता है, तोड़ता नहीं,अन्यथा इतिहास में इसे 'ड्रिल वाला विकास मॉडल' के नाम से याद किया जाएगा।

'बिहान' ने बदली रत्ना की तकदीर फूलों की खेती से बनीं आत्मनिर्भर

बारहों महीने करतीं हैं गेंदा फूल की खेती,बाजार में मिलता है अच्छा दाम

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन की 'बिहान' (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) योजना ग्रामीण महिलाओं के सपनों को नए पंख दे रही है। जिले के अम्बिकापुर विकासखण्ड के छोटे से ग्राम पंचायत डिगमा की रहने वाली श्रीमती रत्ना मजुमदार आज उन हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं,जिन्होंने अपनी मेहनत और सरकार के सहयोग से न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारी, बल्कि स्वयं को एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित किया है।

पारंपरिक खेती को मिला आधुनिक विस्तार

श्रीमती रत्ना मजुमदार बताती हैं कि उनके ससुर पारंपरिक रूप से छोटे स्तर पर फूलों की खेती करते थे। समूह से जुड़ने के बाद रत्ना ने इस काम को व्यावसायिक रूप देने की ठानी। उन्होंने 'माँ महामाया समूह' से जुड़कर पहली बार 1,00,000 का ऋण लिया और एक एकड़ में आधुनिक तरीके से फूलों की खेती शुरू की। आज वह अपनी मेहनत के दम पर दो एकड़ में फूलों का सफलतापूर्वक उत्पादन कर रही हैं।

ड्रिप सिस्टम और वैज्ञानिक पद्धति का संगम

रत्ना ने खेती में आधुनिक तकनीक को अपनाया है। उन्होंने बताया कि उन्नत पौधे की खेती के लिए विशेष पौधे कोलकाता से मंगाए जाते हैं। ये पौधे मात्र 24 दिनों में फूल देना शुरू कर देते हैं और लगातार 3 महीने तक पैदावार देते हैं। फूलों की खेती मुख्य रूप से 'ड्रिप इरिगेशन' (टपक सिंचाई) के माध्यम से की जाती है, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ पौधों को सटीक पोषण मिलता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वे गेंदा फूल की तीन प्रमुख किस्में (लाल, नारंगी और पीला) उगा रही हैं। साथ ही, सर्दियों के मौसम में 'चेरी' की खेती भी करतीं हैं है।

त्योहारों में बढ़ती है मांग, साल भर होता है मुनाफा

रत्ना ने बताया है कि, नवरात्रि,शिवरात्रि, रामनवमी और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान बाजार में फूलों की मांग और कीमत बढ़िया मिलता है। हालांकि सामान्य दिनों में दरें कम रहती हैं, फिर भी वैज्ञानिक प्रबंधन के कारण साल भर लाभ बना रहता है। समूह से मिले ऋण को उन्होंने समय पर चुका दिया है और अब होने वाले मुनाफे को खेती के विस्तार में निवेश कर रही हैं।

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को देते हुए कहा कि, 'बिहान' से जुड़कर आज हम महिलाएँ अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। सरकार की मदद से हमें जो ऋण और मार्गदर्शन मिला, जिससे आज हमें समाज में एक नई पहचान मिली है। शासन की बिहान योजना के माध्यम से आज ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक क्रांति आ रही है। रत्ना जैसी स्वावलंबी महिलाएँ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं।

एनएमएमएसई छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च

जिले में बनाए गए 7 परीक्षा केन्द्र....

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (एनएमएमएसई) हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी, अम्बिकापुर (सरगुजा) ने जानकारी दी है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इस छात्रवृत्ति परीक्षा में वे विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं जो वर्तमान में राज्य की कक्षा 8वीं में अध्ययनरत हैं। पात्रता के अनुसार छात्र द्वारा कक्षा 7वीं की परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जबकि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त अभिभावकों की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 3 लाख 50 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, निजी विद्यालयों तथा शासकीय आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। परीक्षा के सफल संचालन के लिए सरगुजा जिले में कुल 7 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर (कोड 1701),

शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बतौली (कोड 1702), शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनपुर (कोड 1703), शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लुण्ड्रा (कोड 1704), स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नर्मदापुर (कोड 1705), शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीतापुर (कोड 1706) तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय उदयपुर (कोड 1707) शामिल हैं। आवेदन के साथ अभ्यर्थियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 का सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र (एआरएन नंबर सहित), कक्षा 7वीं की अंकसूची की प्रमाणित छायाप्रति, आधार कार्ड, संबंधित वर्ग का जाति प्रमाण पत्र तथा आवश्यकतानुसार शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।

आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी बिलासपुर में प्रवेश हेतु चयन ट्रायल 15 मार्च को

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई,बिलासपुर में संचालित आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में शिक्षा सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश के लिए चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सरगुजा जिले की इच्छुक एवं पात्र बालिका खिलाड़ी भाग ले सकती हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चयन ट्रायल 15 मार्च

2026 को एक दिवसीय आयोजित किया जाएगा। यह ट्रायल स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई, जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित होगा। चयन प्रक्रिया में 11 से 13 वर्ष आयु वर्ग (सब-जूनियर) की बालिका खिलाड़ी ही सम्मिलित हो सकेंगी। सहायक संचालक,खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला सरगुजा ने बताया कि चयन ट्रायल में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को आवागमन का व्यय स्वयं वहन करना होगा। विभाग द्वारा खिलाड़ियों के लिए आवास की व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जाएगी,जबकि ट्रायल के दौरान एक समय का भोजन विभाग द्वारा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले की इच्छुक एवं पात्र बालिका खिलाड़ी, जो कबड्डी अकादमी में प्रवेश लेकर अपने खेल कौशल को निखारना चाहती हैं।

बरने नदी की रेत बनी काल... पुलिसिया पिटाई से गई युवक की जान,होली से पहले पसौरी में मातम...रेत लेने गया सोनू, लौटी सिर्फ लाश

खाकी के वार से बुझा घर का चिराग....

रेत विवाद में युवक की मौत से पसौरी में मातम

वैज्ञानिक जांच में जुटी फॉरेंसिक टीम

मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक जांच भी कराई जा रही है, वैज्ञानिक अधिकारी साधना दुबे ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए है, पुलिस का कहना है कि सभी वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी।

हत्या का मामला दर्ज

इस मामले में थाना केल्हारी में अपराध क्रमांक 18/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1),296,308(3) और 3(5) के अंतर्गत हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है,प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

और सबसे बड़ा सवाल

क्या ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी? बरने नदी की रेत अब सिर्फ रेत नहीं रही, वह एक परिवार के सपनों और आंसुओं से लाल हो चुकी है।

-संवाददाता-
एमसीबी,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

होली के रंग चढ़ने से पहले ही मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के जनकपुर क्षेत्र के ग्राम पसौरी में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है, जिस घर में होली के पकवानों की खुशबू फैलनी थी, वहां अब चीख-पुकार और आंसुओं का सैलाब है, बरने नदी की रेत पर शुरू हुआ विवाद इतना भयावह मोड़ ले बैठा कि एक गरीब परिवार का सहारा हमेशा के लिए छिन गया। मामला ग्राम पसौरी के डूमरघाट स्थित बरने नदी का है,जहां रेत लेने पहुंचे युवक सोनू चक्रधारी की कथित तौर पर मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों की पिटाई से मौत हो गई। इस घटना ने न सिर्फ पूरे इलाके को झकझोर दिया है बल्कि रेत के अवैध कारोबार,सीमा विवाद और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कई सवाल छोड़ गई,यह घटना ने सोनू चक्रधारी की मौत ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं...

- क्या रेत के अवैध कारोबार पर रोक लगेगी ?
- क्या सीमा विवाद और प्रशासनिक लापरवाही दूर होगी ?
- क्या गरीब परिवार को न्याय मिल पाएगा ?

रेत की जरूरत में मौत का खेल

जनकपुर क्षेत्र लंबे समय से रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर चर्चा में रहा है,ग्रामीणों का कहना है कि बरने नदी से स्थानीय लोग अक्सर अपने घरों के निर्माण या छोटे कामों के लिए ट्रैक्टर से रेत ले जाते है, बताया जाता है कि 3 मार्च की सुबह सोनू चक्रधारी भी अपने घर के निर्माण के लिए रेत लेने नदी किनारे पहुंचा था, इसी दौरान मध्यप्रदेश के दरसिला चौकी के पुलिसकर्मी वहां पहुंच गए और रेत परिवहन को लेकर विवाद शुरू हो गया,प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिसकर्मियों ने सोनू की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान एक पुलिसकर्मी ने बेलचा से प्राणघातक वार कर दिया, जो सीधे सोनू के सिर और शरीर के संवेदनशील हिस्से में लगा। गंभीर रूप से घायल सोनू वहीं गिर पड़ा, ग्रामीणों की मदद से उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी।

होली से पहले उजड़ गया परिवार

सोनू चक्रधारी की मौत ने उसके परिवार को पूरी तरह तोड़कर रख दिया है,सोनू अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। पीछे उसकी बूढ़ी मां,पत्नी और दो छोटे बच्चे रह गए हैं, जिस घर में होली के लिए तैयारी हो रही थी,वहां अब मातम का माहौल है, सोनू की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार यही सवाल कर रही है– मेरे बेटे का कसूर क्या था....दोनों छोटे बच्चे अब भी यह समझ नहीं पा रहे कि उनके पिता हमेशा के लिए उन्हें छोड़कर जा चुके हैं।

जब फफक कर रोते हुए पूर्व विधायक से लिपट गई मां

इस दर्दनाक घटना की खबर मिलते ही क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो पीड़ित परिवार के घर पहुंचे,वहां का मंजर बेहद भावुक कर देने वाला था, जैसे ही मृतक की वृद्ध मां की नजर गुलाब कमरो पर पड़ी,वह उनसे लिपटकर फफक-फफक कर रोने लगी। मां की करुण पुकार सुनकर वहां मौजूद लोग भी अपने आंसू नहीं रोक सके,पूर्व विधायक ने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि–यह घटना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है,जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो आम जनता कहां जाए? उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव लड़ाई लड़ने का भरोसा दिलाया,बताया जा रहा है कि इस घटना से आहत होकर उन्होंने इस बार शहर में होली के कार्यक्रमों से दूरी बना ली।

पुलिस हरकत में,एक आरोपी गिरफ्तार

घटना की गंभीरता को देखते हुए एमसीबी जिले की पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई,पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह (IPS) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक तत्काल मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों में से एक मधु जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है,वहीं मामले में नामजद दो अन्य आरोपी प्रधान आरक्षक नितिन शुक्ला, आरक्षक राजू प्रजापति (एमपी पुलिस) की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

अवैध रेत कारोबार पर उठे सवाल- इस घटना ने क्षेत्र में चल रहे अवैध रेत उत्खनन के मुद्दे को भी उजागर कर दिया है, भाजपा के वरिष्ठ नेता दृगपाल सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से गंभीर आरोप लगाए हैं,उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत पसौरी में बरने नदी से बिना किसी वैध लीज के अवैध रेत उत्खनन और भंडारण लंबे समय से जारी है,ग्रामीणों के हवाले से उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे खेल में कुछ स्थानीय राजनीतिक लोगों की भूमिका संदिग्ध है,उन्होंने पार्टी नेतृत्व से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

25 साल बाद भी सीमा 'अदृश्य'- इस घटना ने एक बड़ी प्रशासनिक लापरवाही को भी उजागर कर दिया है,जिस बरने नदी पर यह विवाद हुआ,वह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित है,लेकिन हैरानी की बात यह है कि छत्तीसगढ़ राज्य बने 25 साल बीत जाने के बाद भी यहां राज्य सीमा का कोई साइन बोर्ड नहीं लगाया गया है,ग्रामीणों का कहना है कि स्पष्ट सीमांकन नहीं होने के कारण अक्सर दूसरे राज्य की पुलिस यहां पहुंचकर कार्रवाई करती है और विवाद की स्थिति बनती रहती है,कई बार दोनों राज्यों के लोगों के बीच भी टकराव की स्थिति बन जाती है।

जिले में आज होगा संयुक्त आयोजन

-संवाददाता-
एमसीबी,06 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

जिले में ग्रामीण विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा की गई। जानकारी के अनुसार जिले की 199 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत औसतन 15 हजार श्रमिक कार्यरत हैं। अब प्रत्येक माह की 07 तारीख को रोजगार दिवस,चावल महोत्सव और आवास दिवस का संयुक्त आयोजन किया जाएगा,जिसमें मनरेगा रोजगार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत चावल वितरण और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। विकसित भारत ग्राम योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने पर जोर दिया जा रहा है। मनरेगा के अंतर्गत 400 से अधिक आजीविका डबरी निर्माण को प्राथमिकता दी गई है, जिससे जल संरक्षण और ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो सके।

कार्यालय मुख्य अभियंता,
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र,रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 02.03.2026

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1.	08/CE/NH/TC/44-06/2026 (1st Call)	2026_MoRTH_900866_1	Strengthening of 2 lane with paved shoulder from Surajpur (Shilfili) to Ambikapur (from Km 363.000 to 373.500, total length of 10.50 Km) section of NH-43 on EPC mode in the State of Chhattisgarh.	Rs. 22.38 Cr.
2.	09/CE/NH/TC/44-07/2026 (1st Call)	2026_MoRTH_900867_1	Construction of 5 Nos. of Elephant Underpasses (EUP) in compliance to condition of Forest Department in Forest Clearance of Ambikapur to Ramanujganj section of NH-343 in the State of Chhattisgarh under NH(O).	Rs. 144.82 Cr.

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.04.2026 सुबह 11.00 बजे तक है ।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र,
रायपुर (छ .ग.)

जी नंबर-252607005/1

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास)
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज ,मुख्यालय बलरामपुर (छ0ग0)

फोन नम्बर 07831-299063 ई-मेल :- acbalrampur@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/3663/निर्माण/आ.वि./2026 बलरामपुर, दिनांक- 27/02/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग रायपुर द्वारा लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में ÷ए÷ एवं उच्च श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग भवन निर्माण हेतु दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित दर अनुसूचि में फार्म - F पर Lumpsum दर पर ई - निविदा (प्रथम बार) दिनांक 24.03.2026 तक निम्न तालिका में दर्शित कार्य हेतु आमंत्रित की जाती है -

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6
2	183036	प्रयास आवासीय विद्यालय जिला-बलरामपुर,भवन निर्माण	24,06,00,000 -00	5,00,000-00	26 माह

टीप -
1. निविदा की सामान्य शर्तें एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी नंबर-252607032/4

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क0/...../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मधु मुदलियार पति स्व0 लक्ष्मीधर मुदलियार, निवासी दर्रीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला - दर्रीपारा, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर 10 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3937 / 1 रकबा 0.04 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदिका द्वारा नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र मय मेंटनेश खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 18/03/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला - सरगुजा

रा0प्र0क्र0-/अ-20(1)/2025-26,

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलराज अग्रवाल आ0 इन्द्रसेन अग्रवाल, निवासी ब्रम्ह रोड़, अम्बिकापुर, तहसील स्थित नजूल अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला - ब्रम्हरोड़, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर-08 भूखण्ड क्रमांक 3230 / 6 रकबा 0.06$^{1/2}$ एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा लीज अवधि बढ़ाये जाने आवेदन पत्र मय मेंटनेश खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है ।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 18/03/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 26/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला - सरगुजा

रा0प्र0क्र0-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश जैन आ0 स्व0 पूनमचंद नाहटा, निवासी नवापारा अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर -01 मोहल्ला नवापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1/15 रकबा 0.09$^{3/4}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो जाने के कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 18/03/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक- 202602020700179

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः- 2025 2026
सुभाषनगर प.ह.न.00017 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक
पक्षकार - रेवती कुमार,
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक रेवती कुमार आ0 स्व0 सुरेन्द्र नाथ राय, निवासी ग्राम सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 254 रकबा 1.430 हे0 भूमि के नक्शा में त्रुटि हो गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के नक्शा में हुए त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0...../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंजू देवी पत्नी रविन्द्र पाल, रविन्द्र पाल पिता रामचन्द्र पाल जाति गडेरी निवासी वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला 185/12 रकबा 0.010 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि ...10/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक .03./3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

// सार्वजनिक उद्घोषणा / ईश्तहार //
कमांक/ वाचक -2/2025
सूरजपुर,दिनांक / /2025

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/ नगर नयनपुर प0ह0न0..... 19.तहसील सूरजपुर ..जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि

आवेदक राजपाल सिंह पिता/पति शिवप्रसाद जाति गोड़ निवासी ग्राम नयनपुर पोस्ट सूरजपुर थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने पुत्र/पुत्री/भाई जयपाल सिंह पिता/पति शिवप्रसाद जन्म/ मृत्यु तिथि 08/03/2014 स्थान नयनपुर के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इरा न्यायालय में दिनांक 20/03/2026 दिन शुक्रवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06 /02 /2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — नायब तहसीलदार उप तहसील मानी तहसील सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

// सार्वजनिक उद्घोषणा / ईश्तहार //
कमांक/ 1967 वाचक -2/2025
सूरजपुर,दिनांक 06/02/ /2026

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/ नगर नयनपुर प0ह0न0..... .तहसील सूरजपुर ..जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि

आवेदक राजपाल सिंह पिता/पति शिवप्रसाद जाति गोड़ निवासी ग्राम नयनपुर पोस्ट सूरजपुर थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने पुत्र/पुत्री/चाचा शिवनारायण पिता/पति रामदास जन्म/ मृत्यु तिथि 23/07/2002 स्थान नयनपुर के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इरा न्यायालय में दिनांक 20/03/2026 दिन शुक्रवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06 /02 /2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — नायब तहसीलदार उप तहसील मानी तहसील सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क0 202602022900014 /अ-27 / 25-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सूरज प्रसाद बारी आ0 स्व. गिरधारी लाल बारी व अन्य 04 निवासी ग्राम मायापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ख0न0 26/8, 30/3, 75 / 2 रकबा कमशः 0.032, 0.078, 0.159 हे0 कुल ख0न0 03 कुल रकबा 0.269 हे0 भूमि का आपस में 1/5 अंश में बंटवारा कराये जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 20/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 26/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ...../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुनीता सोनी पत्नी दिनेश सोनी जाति सोनार निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4608/18 रकबा 0.016 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि- 13/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 6/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

CMYK

फागुन के रंग में डूबा कोरिया-एमसीबी

ढोलक की थाप पर झूमे लोग, गुलाल से सराबोर हुए शहर-गांव

ढोलक,फाग और गुलाल की बौछार के साथ कोरिया,एमसीबी में धूमधाम से मनी होली

फागुन की मस्ती में रंगा जिला मंत्री जायसवाल ने बजाई ढोलक,देवेंद्र तिवारी ने गाए फाग

प्रेमाबाग से सोनहत तक रंगों की बरसात,भाईचारे के संदेश के साथ मना होली का पर्व

राजनीति से ऊपर रंगों का संगम,भाजपा-कांग्रेस,कर्मचारी और पत्रकारों ने साथ खेली होली

मंदिरों में अबीर अर्पण से शुरू हुआ फाग महोत्सव,सोनहत में दिखा भक्तिमय रंगोत्सव

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी,06 मार्च 2026 (घटती-घटना)। रंगों का महापर्व होली इस वर्ष कोरिया और नवगठित मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर(एमसीबी) जिले में पूरे उत्साह,पारंपरिक उल्लास और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाया गया,फागुन की मस्ती,ढोलक-मंजीरों की थाप और फाग गीतों की मधुर धुनों के बीच दोनों जिलों के शहरों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हर तरफ रंगों की बौछार और खुशियों की फुहार देखने को मिली,बच्चों,युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों,सामाजिक कार्यकर्ताओं,कर्मचारियों और पत्रकारों ने भी इस रंगोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया, लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर गले लगाया और आपसी भाईचारे तथा सौहार्द का संदेश दिया। पूरे जिले में होली है की गूंज और रंगों से सराबोर चेहरों ने वातावरण को पूरी तरह फागुनी रंग में रंग दिया।

होली के रंग में चेहरे की पहचान मुश्किल

महिलाओं और बच्चों में दिखा विशेष उत्साह

कोरिया और एमसीबी जिले में महिलाओं और बच्चों में भी होली को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, महिलाओं की टोलियों ने फाग गीतों पर नृत्य किया और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां मनाईं,पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने फूलों और प्राकृतिक रंगों से सुरक्षित होली खेली। बच्चों ने रंग-पिचकारी के साथ जमकर मस्ती की और घर-घर जाकर बड़ों का आशीर्वाद लिया।

प्रशासनिक सतर्कता से शांतिपूर्ण रहा त्योहार

दोनों जिलों में पुलिस और प्रशासन की सतर्क व्यवस्था के बीच होली का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो,शांति समिति की बैठकों और प्रशासनिक तैयारियों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। लोगों ने भी जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाते हुए पर्यावरण के अनुकूल रंगों का उपयोग किया।

बैकुण्ठपुर के प्रेमाबाग में सजी फाग की महफिल

जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर के प्रेमाबाग क्षेत्र में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया,यहां स्थानीय नागरिकों और कलाकारों ने ढोलक,मंजीरा और झांझ की थाप पर पारंपरिक फाग गीतों की शानदार प्रस्तुति दी, शैलेश शिवहरे और अनुराग दुबे की मौजूदगी में शुरू हुई फाग महफिल ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया,होली खेलें रघुवीरा अवध में जैसे पारंपरिक फाग गीतों की धुन पर लोग रंगों में सराबोर होकर थिरकते नजर आए, गुलाल की उड़ती बौछार और फाग गीतों की गूंज ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

कुमार चौक पर प्रबुद्ध वर्ग की गरिमामयी होली

बैकुण्ठपुर के कुमार चौक में भी होली का विशेष आयोजन किया गया,जहां शहर के प्रबुद्ध वर्ग और गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से होली खेली,यहां शैलेश शिवहरे,अनुराग दुबे और रुद्र मिश्रा सहित कई सामाजिक और बौद्धिक वर्ग के लोगों ने गुलाल लगाकर एकता और भाईचारे का संदेश दिया,युवाओं ने बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर पारंपरिक अंदाज में होली मनाई और समाज में सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

नगर पंचायत पटना में भी धूमधाम से मनाई गई होली

रंगों का पावन पर्व होली नगर पंचायत पटना में भी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया,नगर पंचायत कार्यालय परिसर में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें जनप्रतिनिधियों,पार्षदों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया,कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह,उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल,पार्षद सौरभ सिंह, पार्षद पति सुजीत सोनी,रूपेश सिंह,टिंकू सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे,सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया,कार्यक्रम में रंगों के साथ-साथ पकवानों की भी विशेष व्यवस्था की गई थी,विभिन्न प्रकार के रंगों के साथ पारंपरिक व्यंजन और मिठाइयों का भी आनंद लिया गया, उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और रंग लगाकर पर्व की खुशियां साझा कीं,होली मिलन कार्यक्रम के दौरान हंसी-ठिठोली और गीत-संगीत के बीच पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा, जनप्रतिनिधियों ने नगरवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रेम,सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है,जो समाज को एकता के सूत्र में बांधता है,कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और लोगों ने रंगों के इस महापर्व को पूरे उल्लास के साथ मनाया।

जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी का सुरीला अंदाज

होली मिलन समारोहों के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी का एक अलग और आत्मीय रूप देखने को मिला,उन्होंने लोगों को गुलाल लगाकर बधाई दी और स्वयं फाग गीत गाकर कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी,उनकी सुरीली आवाज और उत्साहपूर्ण प्रस्तुति ने मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह दिलों को जोड़ने और समाज में प्रेम व भाईचारे को मजबूत करने का अवसर भी है।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बजाई ढोलक

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी अपने क्षेत्रवासियों के साथ होली के रंग में सराबोर नजर आए। उन्होंने लोगों के बीच पहुंचकर ढोलक की थाप पर फाग गीतों का आनंद लिया और खुद भी ढोलक बजाकर माहौल को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया,मंत्री जायसवाल ने लोगों को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही हमारी पहचान हैं, जिन्हें हमें सहेजकर रखना चाहिए, उन्होंने सभी जिलेवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

सोनहत में मंदिरों से शुरू हुआ फाग महोत्सव

सोनहत क्षेत्र में होली का पर्व धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया, यहां के प्रसिद्ध झरिया शिव मंदिर और महामाया मंदिर के प्रांगण में भव्य फाग महोत्सव का आयोजन किया गया, देवी-देवताओं को अबीर-गुलाल अर्पित करने के बाद फाग मंडलियों ने पारंपरिक गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया,इस आयोजन में राजन पाण्डेय, वीरेंद्र साहू,मिथलेश राजवाड़े, प्रदीप साहू, विकास पाल, रामदास और प्रकाश चन्द्र साहू सहित कई स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को रंग लगाकर और मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

भाजपा,कांग्रेस,कर्मचारी और पत्रकारों ने भी खेली होली

सोनहत और मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में होली का उत्सव राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर मनाया गया,भाजपा और कांग्रेस के नेताओं,कर्मचारी संगठनों और पत्रकारों ने भी आपसी भाईचारे के साथ होली खेली, इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी और सामाजिक समरसता का संदेश दिया, रंगों की इस एकता ने यह संदेश दिया कि त्योहार लोगों को जोड़ने का काम करते हैं।

मनेंद्रगढ़ में कांग्रेस का होली मिलन समारोह

मनेंद्रगढ़ में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं,कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, महामंत्री पूनम सिंह और कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे, सभी ने नगरवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की और होली को भाईचारे का प्रतीक बताया।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सादगी से दी शुभकामनाएं...

भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस वर्ष होली का उत्सव नहीं मनाया,पसौरी में हुई एक दुःखद घटना के कारण उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए रंगों से दूरी बनाए रखी,हालांकि उनके निवास पर सुबह से ही शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए केवल चंदन का तिलक लगवाकर होली की शुभकामनाएं दीं। उनकी इस संवेदनशीलता की क्षेत्र में काफी सराहना की गई।

बैकुण्ठपुर कुमार चौक की शानदार होली

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बजाई ढोलक,खेली होली

देवेंद्र तिवारी की होली गीत

सोनहत की होली

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक कांग्रेस की होली

नगर पंचायत पटना की होली

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने होली की दी शुभकामनाएं...

यूपीएससी 2025 में छत्तीसगढ़ का जलवा...6 युवाओं ने पाई सफलता

रायपुर की वैभवी अग्रवाल ने 35वां रैंक हासिल कर छत्तीसगढ़ का बढ़ाया मान

रायपुर, 06 मार्च 2026। यूपीएससी 2025 परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित हुआ। इस परीक्षा में छत्तीसगढ़ के 6 अभ्यर्थियों ने सफलता अर्जित की है। इनमें रायपुर की वैभवी अग्रवाल,रौनक अग्रवाल,संजय डहरिया, मनेंद्रगढ़ जिले की भाजपा पार्षद की पुत्री दर्शना सिंह, धमतरी के डायमंड सिंह ध्रुव और बीजापुर के अंकित संकनी शामिल हैं।

लगातार तीन साल की मेहनत का नतीजा : वैभवी अग्रवाल

रायपुर की बेटी वैभवी अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। उन्होंने सिविल सर्विस परीक्षा (यूपीएससी) में 35वां रैंक हासिल कर प्रदेश में टॉप किया है। वैभवी ने संवाददाता से बातचीत करते हुए कहा, मेरे सफलता का एक ही मूलमंत्र है मेहनत। मुझे मेरे परिवार का सहयोग, समर्पण भी मिला। फल की इच्छा किए बगैर लगातार तीन साल मेहनत की, जिसका नतीजा आज सबके सामने है।

धैर्य रखो तो जीवन में सब हासिल होता है : डायमंड

यूपीएससी परीक्षा में धमतरी जिले के परसवानी गांव के रहने वाले डीएसपी डायमंड सिंह ध्रुव

ने 623वां रैंक लाया है। डायमंड सिंह ध्रुव छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा के 2024 बैच के अधिकारी हैं। पुलिस सेवा ज्वाईन करने के बाद भी यूपीएससी की तैयारी करते रहे। आज उनके दोस्तों ने फोन कर जब बधाई दी तो वे आवाक रह गए। डायमंड सिंह ध्रुव का 2024 में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही डीएसपी पद पर चयन हुआ। डायमंड सिंह ध्रुव स्वर्गीय बलराम सिंह सूर्यवंशी व शिक्षिका अंबिका सूर्यवंशी के बेटे हैं। संवाददाताओं से बातचीत में डायमंड ने कहा कि धैर्य रखो तो जीवन में सब हासिल होता है।

डायमंड ने जेएनयू से की है पढ़ाई

डायमंड बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा शिशु मंदिर मगरलोड से पूरी की और फिर हाई स्कूल की पढ़ाई रेडियंट पब्लिक स्कूल माना रायपुर से की। केवल 25 वर्ष की उम्र में उन्होंने पहली बार के प्रयास में CGPSC परीक्षा में 13वीं श्रेणी रैंक हासिल किया। डायमंड ने जेएनयू से पढ़ाई की है। दिल्ली में रहकर बिना किसी एकेडमी को जॉइन किए अपनी पढ़ाई जारी रखी। वह पिछले ढाई वर्षों से यूपीएससी की तैयारी भी कर रहे थे।

रायपुर के रौनक और संजय को कलेक्टर ने दी बधाई

रायपुर के मोवा रहवासी रौनक अग्रवाल को 772वां रैंक मिला है। रौनक मूलतः रायगढ़ के रहने वाले हैं और यहां प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। इसके अलावा संजय डहरिया ने 946वां रैंक हासिल किया है। खास बात ये है कि यूपीएससी में इंटरव्यू से पहले दोनों अभ्यर्थी जिला प्रशासन के मॉक इंटरव्यू में शामिल हुए थे। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने दोनों अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया था और उन्हें इंटरव्यू को लेकर टिप्स दिए थे। दोनों के चयन की सूचना मिलने पर कलेक्टर डॉ. गौरव उनके घर गए और उन्हें बधाई दी।

पांचवीं से थी अफसर बनने की तमन्ना : दर्शना सिंह जब पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी तभी से उन्होंने अपने मन में प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना पाल लिया था। अपने सपने को पूरा करने के लिए दर्शना सिंह ने बीटेक की डिग्री हासिल करने के बाद यूपीएससी की तैयारी के लिए दिल्ली चली गई। दिल्ली से उन्होंने 1 साल तक के यूपीएससी के लिए कोचिंग किया। सालभर बाद वह कोचिंग के नोट्स को दोहराती रहीं। मुख्य परीक्षा के लिए उन्होंने वैकल्पिक विषय में समाजशास्त्र विषय रखा था। इस संबंध में उन्होंने बताया कि समाजशास्त्र विषय को उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान भी पढ़ा था।

भाजपा पार्षद की बेटी है दर्शना सिंह

एमसीबी की दर्शना सिंह ने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) में 283वीं रैंक प्राप्त कर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए चयनित होकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। दर्शना सिंह के पिता अरूण सिंह राशन दुकान संचालक व किसान है और माता सीमा सिंह नगर पंचायत जनकपुर की भाजपा पार्षद हैं। दर्शना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद निरंतर मेहनत और लगन के साथ यूपीएससी की तैयारी की और आखिरकार अपने सपने को साकार कर दिखाया। दर्शना सिंह ने बारहवीं तक की पढ़ाई अपने गांव के स्कूल से की है। उन्होंने गणित विषय लेकर 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की फिर जेईई एग्जाम निकालकर आईआईटी कानपुर में एडमिशन लिया। आईआईटी कानपुर से दर्शना सिंह ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में बस पलटने से छह की मौत,नौ गंभीर

जशपुर,06 मार्च 2026 । छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के करडेगा से कुनकुरी आ रही एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई है, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है। वहीं नौ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार करडेगा से कुनकुरी आ रही एक यात्री बस में दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़ाअंबा के पास बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया और घटनास्थल पर एम्बुलेंस भेजी गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और कई यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की ओर से सभी घायलों के बेहतर इलाज के लिए तत्काल निर्देश दिए हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही।

मुख्यमंत्री की पत्नी ने अस्पताल में घायलों से की मुलाकात

इधर हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या देवी साय भी कुनकुरी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों को सभी घायलों के बेहतर इलाज तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने जताया दुःख

सीएम विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम गोडा अंबा के पास हुई बस दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। इस दुर्घटना में कई लोगों के असामयिक निधन से मन अत्यंत व्यथित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिजनों को इस कठिन घड़ी को सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न रहे तथा उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।'

पीडब्ल्यूडी की बैठक में सीएम साय के कड़े तेवर...

घटिया सड़क बनने पर ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्टेड अफसरों पर भी होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,06 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी निर्माण कार्य में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने यह निर्देश आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों और गतिविधियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण के बाद निरीक्षण करने के बजाय निर्माण के दौरान ही नियमित रूप से फील्ड में जाकर गुणवत्ता की निगरानी की जाए। सड़कों का निर्माण केवल तकनीकी कार्य नहीं बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कार्य है और इससे सरकार की छवि भी बनती है। यदि सड़क बनने के कुछ वर्षों के भीतर ही खराब हो जाए तो इससे सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने जताई नाराजगी

बैठक में बागबहार-कोतबा सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सड़क कुछ वर्ष पहले ही बनी थी,लेकिन उसकी स्थिति तेजी से खराब हो गई है। यदि सड़क चार वर्ष भी नहीं चले तो इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सड़क के निर्माण में हुई कमियों की गंभीरता से जांच की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो,इसके लिए निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन आमजन को इन कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती, जिससे सकारात्मक नैरेटिव नहीं बनता। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन मुख्यमंत्री और मंत्रियों के हाथों से कराया जाए व उन्हें व्यापक रूप से आमजन के सामने प्रस्तुत किया जाए।

कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा कराएं : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के टेंडर जारी होने से लेकर कार्य आवंटन (अवॉर्ड) तक की पूरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। उन्होंने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम दर यानी बिलो रेट पर टेंडर प्राप्त कर लेते हैं, जिसके कारण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर लेता है तो यह उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा करे। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में लागू बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त प्रावधान लागू किया जाए। साथ ही टेंडर और डीपीआर जैसे तकनीकी कार्यों के लिए एक अलग इकाई बनाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में लगभग 300 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं, जहां बरसात के दौरान संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। ऐसे गांवों तक पहुंचने के लिए लोगों को कई बार बीमार मरीजों को खाट में उठाकर ले जाना पड़ता है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। खाद्य विभाग से प्राप्त सूची के आधार पर चिन्हित इन गांवों को सड़कों और पुल-पुलियों के माध्यम से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए।

रायगढ़ में परसकोल हत्याकांड मामला,2 पुलिसकर्मी लाइन अटैच

मजिस्ट्रियल जांच के आदेश के बाद आंदोलन खत्म मृतक की पत्नी को मिलेगी चपरासी की नौकरी

रायगढ़,06 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के परसकोल गांव में हुए हत्याकांड के मामले में पुलिस पूछताछ के दौरान एक ग्रामीण की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीण और परिजन नाराज हो गए। उन्होंने आंदोलन करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने और पीड़ित परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक,गुरुवार की शाम नेशनल हाईवे 49 पर लोग हत्याकांड के विरोध में चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों और समाज के लोगों ने 1 करोड़ रुपए मुआवजे,मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी,और दोषी पुलिसकर्मियों के निलंबन और दंडात्मक कार्रवाई की मांग की थी। प्रशासन और समाज के प्रतिनिधियों के बीच इस मामले पर घंटों चर्चा हुई,लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। खरसिया विधायक उमेश पटेल भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया।

दुर्ग में ज्वार की फसल के बीच अफीम की खेती,डेढ़ एकड़ में छिपाकर उगाई गई अफीम एक संदिग्ध पकड़ाया,पुलिस जांच में जुटी

दुर्ग-भिलाई,06 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफीम की चोरी-छिपे खेती का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमार कार्रवाई कर डेढ़ एकड़ में अफीम की फसल कब्जे में ले ली। पुलिस एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यह मामला जेवरा सिरसा चौकी के समोदा गांव का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली की कि समोदा गांव के एक खेत में अफीम बोया गया है। सूचना पर शुक्रवार को जेवरा सिरसा चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और छापा मारा। पुलिस ने मौके पर देखा कि डेढ़ एकड़ खेत में अफीम बोया गया है, वहां बड़ी चालाकी से चारों तरफ ज्वार भी बोया गया था ताकि किसी को भनक न लगे। ज्वार के बीच में अफीम को छिपाकर उगाया गया है। पुलिस ने जांच शुरू करते हुए खेत के मालिक से पूछताछ की।

बैंककर्मी ने ग्राहक के अकाउंट से निकाले 40 लाख

फिक्स डिपॉजिट करने के नाम पर पति-पत्नी से चेक लिया, तीन अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर किए

रायपुर,06 मार्च 2026। रायपुर के सिलतरा इलाके में संचालित आईडीबीआई बैंक की बरौदा शाखा के एक कर्मचारी ने पति-पत्नी को झांसे में लेकर उनके खातों से 40 लाख पार कर दिए। आरोपी ने फिक्स डिपॉजिट कराने के नाम पर ब्लैंक चेक लिए और रकम अपने और अपने साथियों के खातों में ट्रांसफर कर ली। पीड़ितों का नाम पुलिस द्वारा नरेंद्र कुमार वर्मा, मनीषा वर्मा और आरोपियों का नाम विकास राव गोडकी, राजा खुटे और शैलेन्द्री के नाग बताया जा रहा है। आरोपियों की तलाश पुलिस ने शुरु कर दी है।

क्या है पूरा मामला : ग्राम सिलतरा निवासी पीड़ित नरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि उनका

और उनकी पत्नी मनीषा वर्मा का खाता आईडीबीआई बैंक की बरौदा शाखा में है। दोनों के खातों में 20-20 लाख जमा थे। नरेंद्र इस राशि की एफडी कराना चाहते थे। बैंक में उनकी पहचान कर्मचारी राजा खुटे से थी। राजा ने एफडी की प्रक्रिया के बहाने नरेंद्र से आधार कार्ड, पैन कार्ड और दो ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवाकर ले लिए। भरोसा जीतने के लिए आरोपी राजा खुटे ने नरेंद्र को एफडी की पावती भी दे दी। इसके बाद जून 2023 से लेकर नवंबर 2025 के बीच आरोपी ने किश्तों में कुल 40 लाख का गबन किया। पीड़ित को इसका अंदाजा तब लगा जब 2 मार्च 2026 को उन्हें पैसों की जरूरत पड़ी और उन्होंने राजा को फोन कर एफडी तोड़ने को कहा। तब आरोपी ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि 'रूपयों का हेर-फेर हो गया है, पैसे नहीं हैं।' जब पीड़ित दंपत्ति बैंक पहुंचे और स्टेटमेंट निकलवाया,तो उनके होश उड़ गए। आरोपी राजा खुटे ने ब्लैंक चेक का इस्तेमाल कर विकास राव गोडकी, शैलेन्द्री और खुद अपने नाम पर पैसे ट्रांसफर कर लिए थे। पीड़ितों ने आरोपियों की शिकायत पुलिस में की है।

पीएमजीएसवाई के मुख्य अभियंता के.के. कटारे का जाति प्रमाण-पत्र निरस्त करने का आदेश

रायपुर,06 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मामला सामने आया है। राज्य की उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़े मुख्य अभियंता के.के.कटारे को छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जनजाति के संवैधानिक आरक्षण का लाभ लेने के लिए अयोग्य पाया है. समिति ने अपने आदेश में कहा है कि कटारे का मूल निवास महाराष्ट्र राज्य में होने के कारण उन्हें छत्तीसगढ़ में एसटी आरक्षण का लाभ प्राप्त करने की पात्रता नहीं बनती और उनके जाति प्रमाण-पत्र को निरस्त किए जाने योग्य माना गया है। समिति द्वारा यह आदेश 26 फरवरी 2026 को जारी किया गया। आदेश के अनुसार यह मामला शिकायत के आधार पर जांच के लिए समिति के समक्ष प्रस्तुत हुआ था। दस्तावेज के अनुसार इस मामले में शिकायतकर्ता विजय मिश्रा द्वारा उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति को शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि मुख्य अभियंता के.के। कटारे ने दूसरे राज्य से संबंधित होने के बावजूद छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति वर्ग का लाभ लिया है।

दुबई में फंसे बिलासपुर के 3 दोस्त लौटे,9 दिन बाद वापसी,भारत सरकार से मांगी थी मदद

बिलासपुर,06 मार्च 2026। दुबई में पिछले 9 दिन से फंसे बिलासपुर के 3 दोस्त सुरक्षित लौट आए हैं। उनकी फ्लाइट दुबई से तड़के 3 बजे दिल्ली पहुंची है। यहां से वे रायपुर आएंगे। तीनों दोस्त घूमने के लिए दुबई गए थे, लेकिन सुरक्षा को लेकर स्थिति साफ नहीं होने के कारण उनकी वापसी में देरी हो रही थी। शिवम मिश्रा, आकाश अग्रवाल और आयुष अग्रवाल है, जो कोटा के रहने वाले हैं। लगातार फ्लाइट रद्द होने से तीनों दुबई में फंसे हुए थे। परिजनों ने भारत सरकार से मदद मांगी थी। तीनों युवक वीडियो कॉल के जरिए परिजनों से संपर्क बनाए हुए थे। बताया गया कि पहले उनकी टिकट 28 फरवरी की थी, लेकिन उड़ान कैंसिल हो गई। इसके बाद 3 मार्च और 5 मार्च की फ्लाइट भी रद्द हो गई थी। उनकी वापसी हुई है। शिमव मिश्रा ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू से फोन पर बात की थी। जिस पर उन्होंने मदद का आश्वासन दिया था।

रतनपुर को मिला प्रदेश का पहला डेमोंस्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट

13.12 करोड़ की केंद्रीय सहायता से होगा निर्माण,तोखन साहू की पहल

बिलासपुर,06 मार्च 2026। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रतनपुर को प्रदेश का पहला डेमोंस्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 13.12 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

छत्तीसगढ़ का पहला डेमोंस्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री और बिलासपुर सांसद तोखन साहू के निरंतर प्रयासों और पहल से रतनपुर को यह महत्वपूर्ण परियोजना मिली है।यह परियोजना नई दिल्ली में आयोजित सेंट्रल सैंक्शनिंग एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में टेक्नोलॉजी एंड इनोवेटिव सब-मिशन के अंतर्गत मंजूर की गई। यह छत्तीसगढ़ का पहला डेमोंस्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट होगा,जो रतनपुर में आधुनिक और उन्नत निर्माण तकनीकों का उपयोग कर आवास निर्माण का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करेगा।

परियोजना सामाजिक कल्याण गतिविधियों के लिए रेंटल मॉडल पर होगी संचालित

स्वीकृत परियोजना के तहत जी+2 मॉडल पर एक आधुनिक आवासीय परिसर विकसित किया जाएगा। प्रत्येक इकाई का कार्पेट एरिया 28 .57 वर्गमीटर और प्लिंथ एरिया 42 .79 वर्गमीटर निर्धारित किया गया है। यह परियोजना सामाजिक कल्याण गतिविधियों के लिए रेंटल मॉडल पर संचालित होगी। इस परियोजना में डाइनिंग रूम, किचन, टॉयलेट सहित कार्यालय कक्ष, गतिविधि कक्ष, टॉयलेट सहित मेडिकल रूम, टॉयलेट सहित केयरटेकर कक्ष और लॉन्ड्री रूम जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक सामुदायिक भवन का भी निर्माण किया जाएगा।

CMYK

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026

के अवसर पर

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान अंतर्गत

लखपति दीदी संवाद

07 मार्च 2026

दोपहर 2:00 बजे

सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर (छ.ग.)

संघर्ष से सम्मान तक, आगे बढ़ती बिहान की दीदियां

08 लाख
महिलाएं बनीं **लखपति दीदी**

10 लाख
अतिरिक्त महिलाओं को **लखपति दीदी** बनाने का लक्ष्य

₹05 करोड़ का **बजट प्रावधान**
लखपति दीदियों के व्यवसायिक अनुभव के विस्तार हेतु **लखपति दीदी भ्रमण योजना** की शुरुआत

2.8 लाख स्व-सहायता समूह और **30.85 लाख परिवार** बिहान मिशन से जुड़े

महिलाओं को **प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता** से बनाया जा रहा आर्थिक रूप से **सशक्त**

महिला समूहों को उद्यम के लिए बेहतर जगह उपलब्ध कराने **368 महतारी सदनों** का हो रहा निर्माण

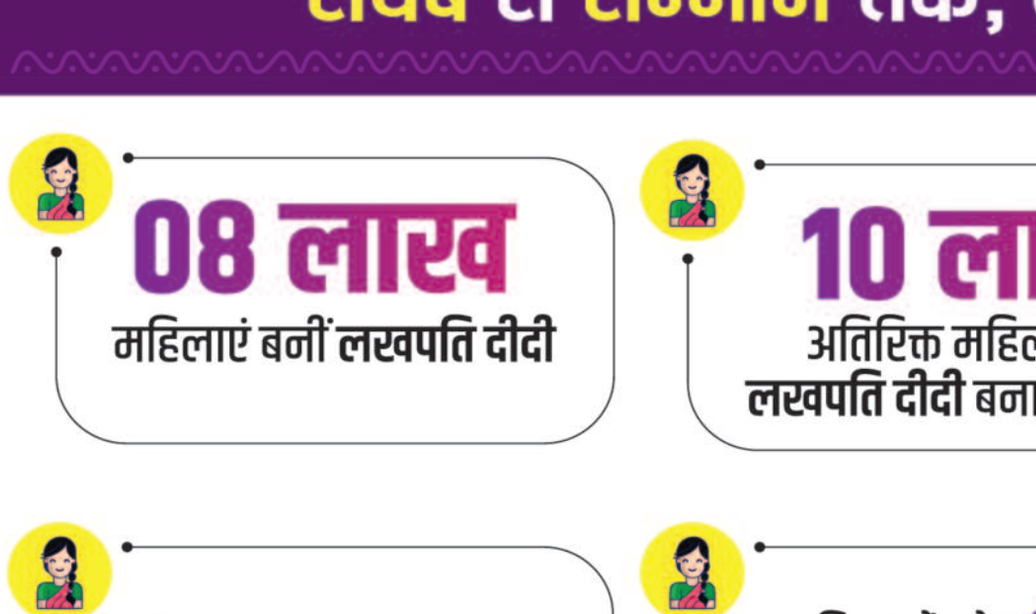

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संवाद 47101/59

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)